तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

KVS Baddowal Cantt

E-mail: kvbaddowalcanttldh@gmail.com

Web Site-https://baddowalcantt.kvs.ac.in

Vidyalaya E -Patrika

Session 2020-21

KVS Baddowal Cantt

FOREWORD

Dear Reader

Greetings to you

A few have realized the wealth of sympathy, kindness, creativity and generosity hidden in the soul of a child.

The effort of every educator should be to unlock that treasure and Kendriya Vidyalaya Baddowal Cantt, Ludhiana strongly believes that 'Heart of education is the Education of the heart'. We are pleased to present to you the 2020-2021 edition of Vidyalaya Patrika to enjoy the exhilarating flashback of the inception of the school, its events and achievements during the session.

We have for you, a wide range of poetry, painting, photographs and many informative and inspirational articles.

Happy reading!

The aim of education is not just to pursue academic excellence but also to empower students to be lifelong learners, critical thinkers and productive members of an ever changing global society.

The need of the hour is the judicious blend of academics, creativity along with values and ideals to proceed on the track of excellence and continual progress. Indeed, the Vidyalaya Patrika is one such fruitful and productive medium to give vent to the imagination of our dearest stakeholders.

I also urge the students to bring forward their hidden talents and potentials to chisel their readiness to face the challenges of the modern competitive world. It's high time to work out for holistic development. They have to overcome unnecessary inhibitions and be pragmatic and optimistic in their approach towards any situation. They must realize they are capable of a wonderful transformation towards being an all-round personality.

I extend my heartiest congratulations to each and every person associated with the publication of this marvellous testament of originality and innovation, the Vidyalaya Patrika-2021. I wish everyone the best of luck and loads of faith in themselves.

DR.P.DEVAKUMAR
M.COM, M.PHIL, M.ED, MBA, PH.D.
DEPUTY COMMISSIONER

Message by Chairman

I am pleased to hear that Kendriya Vidyalaya Baddowal Cantt is publishing its Vidyalaya Patrika for the session 2020-21.

Educational institutions should take care of all aspects of development of students to shape them into empowered citizen of the future. Development of character and also sense of values is very important for the formation of future of the children.

I appreciate and congratulate the principal, staff and young writers for their involvement and hope the magazine will showcase some of the best creative endeavors of the students and also have a great role in promoting the feeling of nationalism and integration among the students.

Col Amar Bhosale

(Chairman)

प्राचार्य की कलम से

शिक्षा का विस्तार यदि देखना हो तो बच्चों की आँखों से देखा जा सकता है ।छोटी उम्र के बड़े बड़े सपनों को साकार करने के लिए बच्चे का प्रथम कदम होता है उसकी अभिव्यक्ति । इस अभिव्यक्ति हेतु किया गया कोई भी , किसी भी तरह का प्रयास प्रतिभा को गति प्रदान करता है। केन्द्रीय विद्यालय संगठन कई दशकों से बच्चों में छुपी प्रतिभा की अभिव्यक्ति के लिए एक वातावरण तैयार कर रहा है । बच्चे स्वयं ही उपयुक्त वातावरण पाकर किसी पौधे की तरह पल्लवित होने लगते हैं । किसी भी विद्यालय की पत्रिका बच्चों की कल्पना को वो आसमान प्रदान करती है, जहाँ वे अपनी प्रतिभा को कला के पंख प्रदान कर लम्बी उडान भरते हैं ।

केन्द्रीय विद्यालय बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु प्रतिबद्ध है । शारीरिक और बौद्धिक स्तर पर हमारे बच्चे सम्पूर्ण विकास कर सकें,चिंतन और दर्शन की पहचान कर सकें,संवेदना के मार्ग पर चलते हुए करुना और परोपकार कर सकें । उस मार्ग पर चल सकें जो हमें अज्ञान से ज्ञान की ओर ले जा सकता है,इसके लिए केन्द्रीय विद्यालय बद्दोवाल सदैव तत्पर रहता है । प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी विद्यालय पत्रिका प्रकाशित करते हुए स्वयं को पहले से कहीं अधिक गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं क्योंकि कोरोना जैसी आपात स्थिति का सामना करते हुए हमारे होनहार छात्र छात्राओं ने अपने विशेष प्रयासों से विद्यालय पत्रिका की परम्परा को जीवित रखने का प्रयास किया है ।

नन्हें-मुन्ने शिक्षाविद्धों , लेखकों और चिंतकों की रचनाओं का अपना ही संसार होता है । इसकी किन्हीं व्यस्क रचनाकारों से तुलना करना या साम्य बैठाना ठीक नहीं होगा । इनकी कल्पना की उडान अधिक ससटीक और अनंत है । विद्यालय की दिन-प्रतिदिन की प्रगति का विवरण,नए प्रयोगों और शिक्षा की दिशा में उठाए गए क़दमों का आकलन प्रस्तुत पत्रिका में देने की कोशिश है । विद्यालय का प्रत्येक विभाग अपने अपने क्षेत्र में किए गए सद्कार्यों के लिए बधाई के पात्र हैं । पत्रिका की रचनात्मक स्तरीयता और सुदृढ़ता हेतु विचारों का स्वागत है ।

दिनेश कुमार
प्रभारी प्राचार्य

From The Editor's Desk

Welcome to this year's edition of Vidyalaya magazine. I am overwhelmed to be a part of the school magazine. It was a unique experience for me. Extracting ideas, skills and talents was challenging but we have done it. I am indebted to the Principal for being instrumental in its e-publication. I would like to express my deepest gratitude to the staff members who had extended their full cooperation right from the beginning.

The time spent by the students is the most memorable in their lives. Due to Covid-19 pandemic the students couldn't come to the school but they were constantly in touch with their teachers and class mates. The technology has helped all of us to be connected and to continue this journey of learning.

Dear children, school life plays a pivotal role in learning lessons of life which will enable you to face this fast-moving world. To keep oneself abreast of all the changes in the socio-economic conditions – schooling is a must.

I hope you will enjoy reading this edition of the school magazine and would give your valuable input for the next edition of the school magazine.

Editor

Amandeep Kaur

PGT English

Amandeep Kaur

PGT English

सम्पादकीय

भाव और भाषा के मणिकांचन संयोग से सृजित बाल रचनाकारों की विविध रचनाओं से सजे विद्यालय के इस नवीन अंक को हम आपके हाथों में सौंप रहे हैं।इस में जहाँ एक ओर बाल मनोभावों के विविध मनमोहक रूप की झांकी मिलती है वहीँ पाठ्य - सहगामी क्रिया कलापों के साथ ही क्रीड़ा क्षेत्र में इनकी सच्ची लगन एवं निरंतर ऊँचाइयों को छूने की कोशिश को भी उजागर करती है ।

एक कुशल माली उद्यान के पौधों को सींचता है,जलवायु और मिट्टी के गुणधर्म उनका उचित पोषण इस आशा से करता है कि उनमें भांति भांति के पुष्प खिलेंगे ।इस विद्यामंदिर के शांत पावन परिवेश में विद्वान सहकर्मियों ने एक कुशल माली की ही भांति बाल पौधों का सींचन एवं पोषण किया है जिसकी परिणति इन मनोहर रचना पुष्पों के रूप में आपके सामने है ।हमारे विद्यालय के विवेकशील छात्र - छात्राओं के अथक प्रयास के परिणाम स्वरुप की छोटी सी कोशिश है ।उन्होंने अपने विचारों से ओत -प्रोत कुछ अनुभवों,लेखों,कहानियों आदि अमूल्य उपहारों को इस पत्रिका में पिरोने की चेष्टा की ।मैं उन सभी कलाकारों को धन्यवाद देती हूँ ।अंत में मैं अपने विद्यालय के प्राचार्य महोदय को धन्यवाद देना चाहती हूँ जिन्होंने इस पत्रिका के प्रकाशन में छात्र - छात्राओं की इस छोटी सी चेष्टा को प्रोत्साहन दिया ।

सुनीता रानी
प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका(हिंदी)

PHOTO EDITORIAL BOARD

KENDRIYA VIDYALAYA BADDOWAL CANTT.

DR.P.DEVAKUMAR
(Deputy Commissioner)

Mr. Dinesh Kumar
(I/C PRINCIPAL)

Ms.Amandeep Kaur
(PGT English)

Ms.Sunita Rani
(TGT Hindi)

Mr.Davinder Singh
(TGT Punjabi)

Ms.Preeti
(TGT Sanskrit)

Mr.Harminder Singh
(Computer Instructor and
E-Magazine Designer)

The Gems of KV Baddowal Cantt.

Class XII

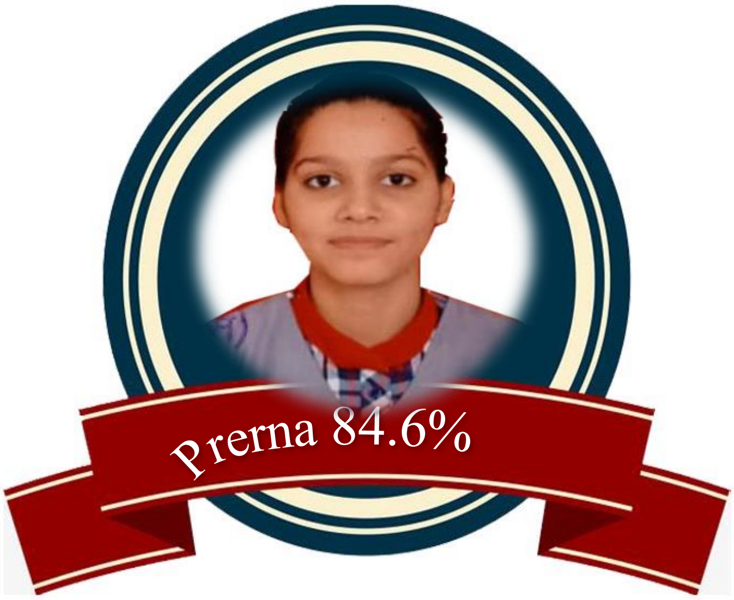

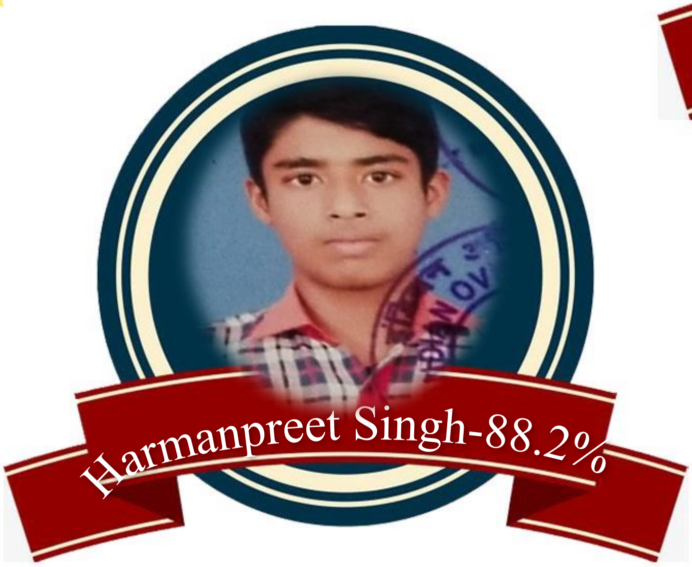

The Gems of KV Baddowal Cantt.

Priyanshu Pandey – 95%

Class X

Nisha – 94.6 %

Gurmukh Singh - 90%

Co-Curricular Activities

Ambedkar ke sapno ka bharat

Aakash
Class-VI A

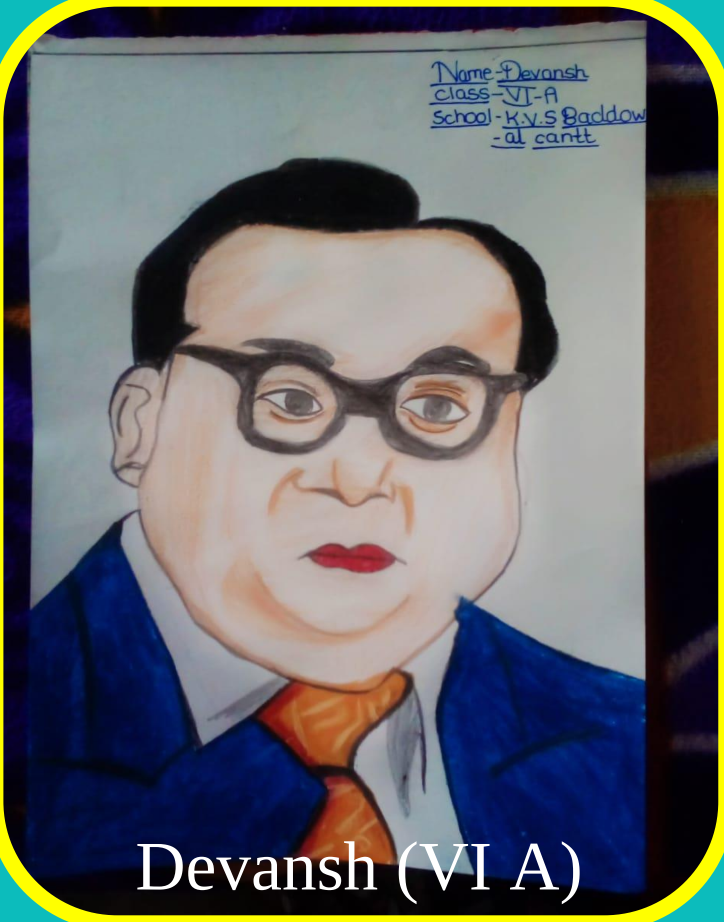

Devansh (VI A)

Jashanveer Kaur
Class-IX B

Jasleen Kaur (VIII A)

Co-Curricular Activities

Covid - 19 Awareness Programme

Jashanveer Kaur Class IX B

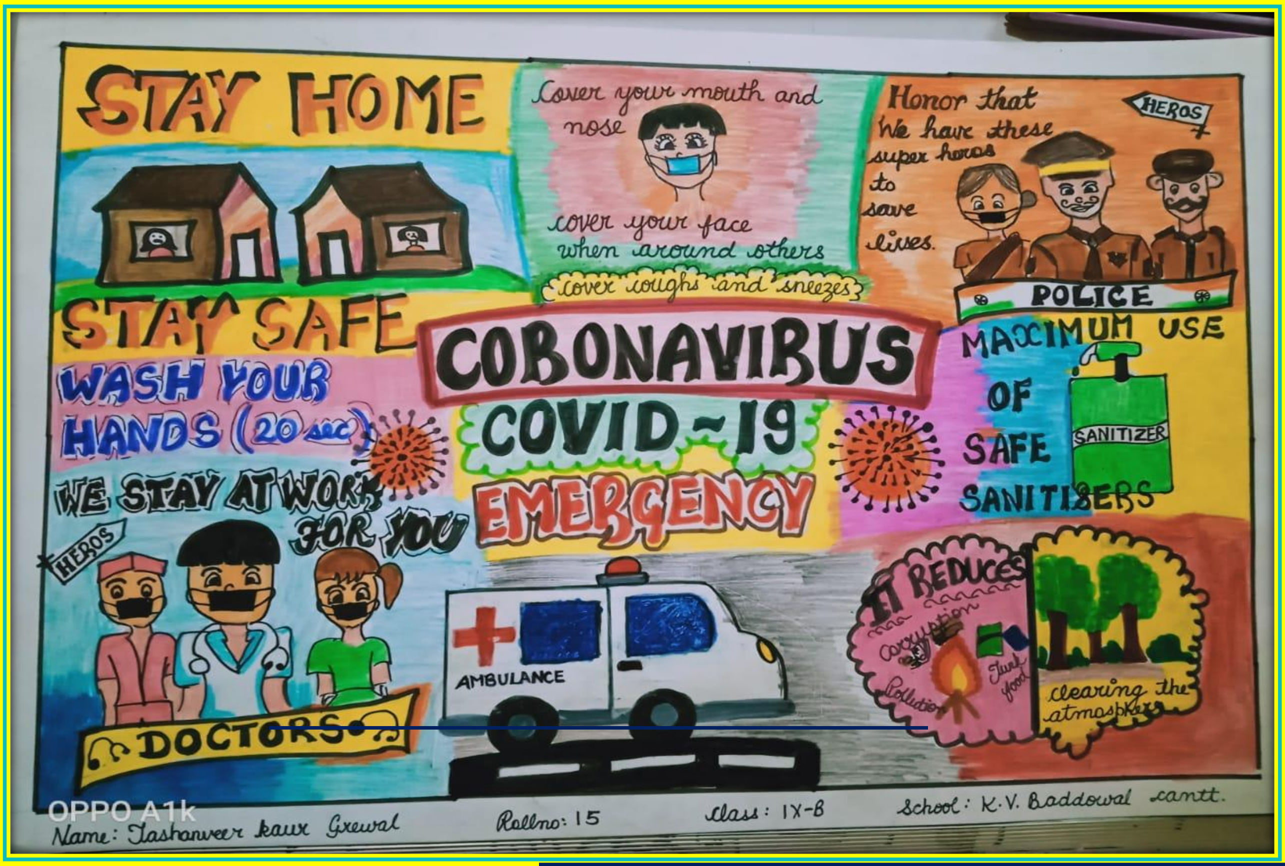

Kamalpreet kaur
Class IX-A

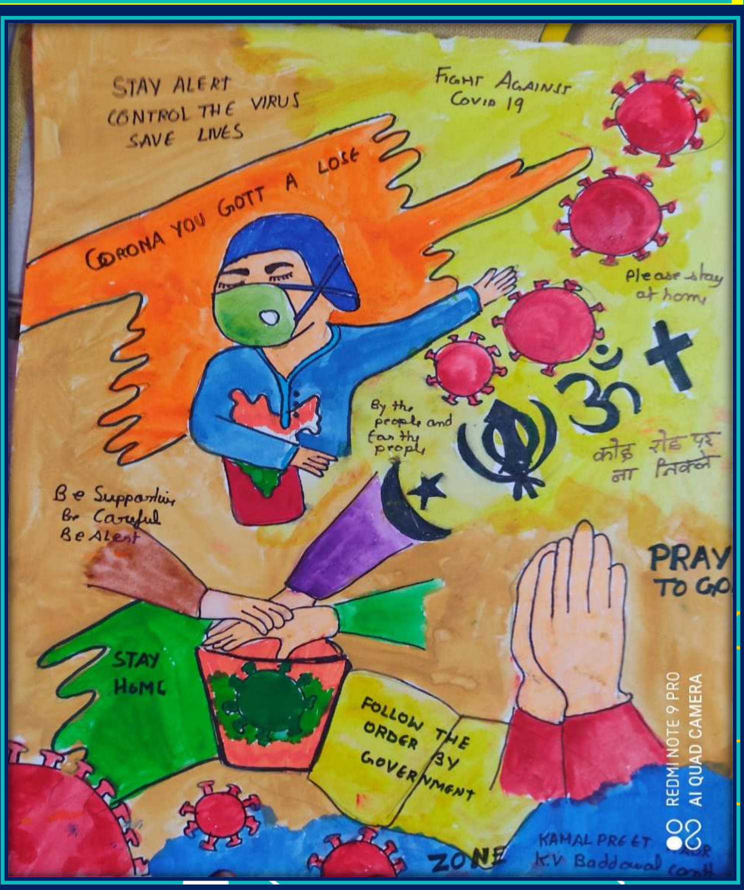

Book jackets Students guided by Mrs. Rajni Sharma (Librarian)

Story Map Library activity

Home Library

Manpreet Sharma VII A

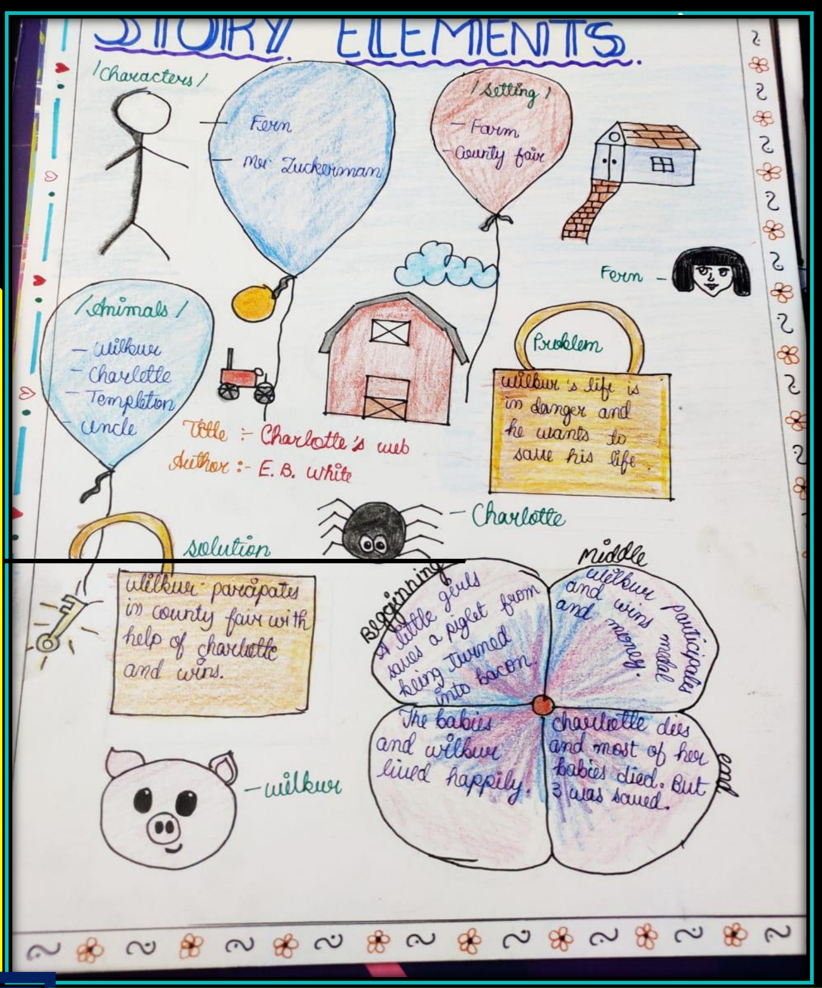

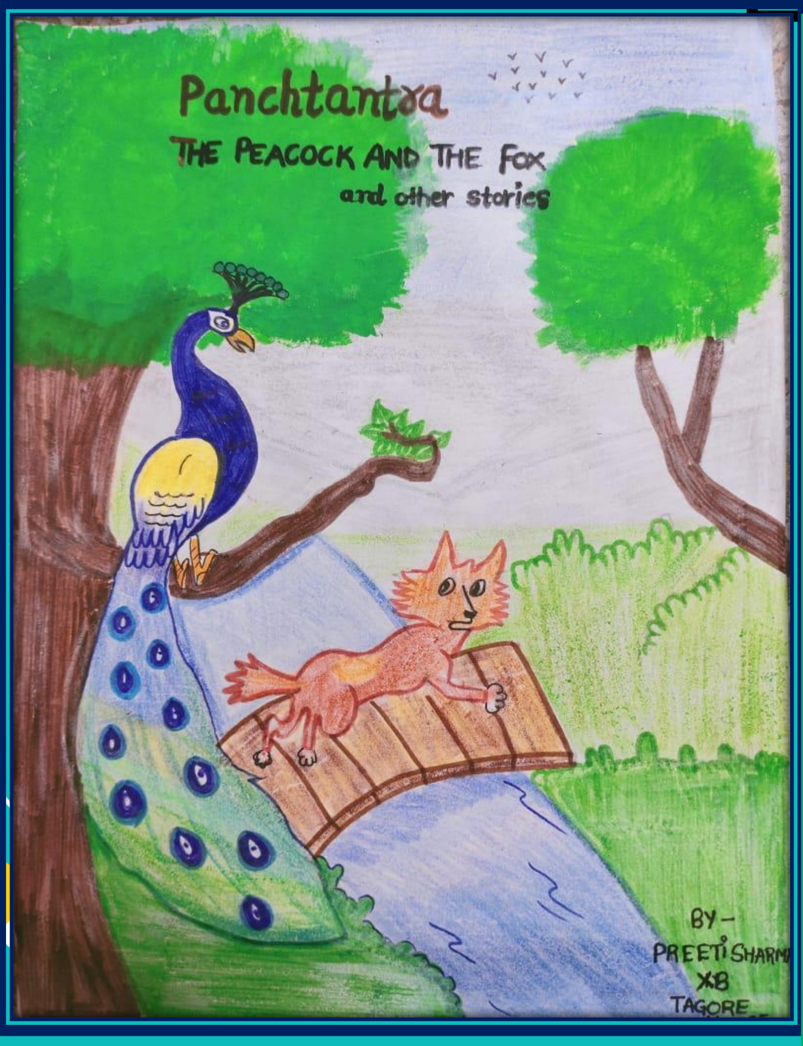

Hindi Pakhwada Report

केन्द्रीय विद्यालय बद्दोवाल छावनी लुधियाना में दिनांक 04.09.2020 से दिनांक 18.09.2020 तक ऑनलाइन राजभाषा पखवाड़ा मनाया गया | कोरोना के कारण आपात स्थिति को देखते हुए यह कार्यक्रम डिजिटल तकनीक के माध्यम से आयोजित किया गया जिस में विद्यालय के छात्र छात्राओं ने बढ़चढ़ कर भाग लिया।इस का विवरण निम्नलिखित अनुसार है:---

1.दिनांक 04.12.2020: सुलेख प्रतियोगिता (कक्षा अनुसार)

2. दिनांक 07.09.2020 स्वरचित कविता लेखन प्रतियोगिता (कक्षा अनुसार)

3. दिनांक 10.09.2020 दोहा गायन प्रतियोगिता (सदन अनुसार)

4. दिनांक 11.09.2020 नारा लेखन प्रतियोगिता (कक्षा अनुसार)

5. दिनांक 14.09.2020 हिंदी भाषा पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता (सदन अनुसार)

* दिनांक 14 सितम्बर 2020 को हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में विषेश कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनका विवरण निम्नलिखित अनुसार है:---

*1. सर्वप्रथम सुनीता रानी प्र. शि. स्ना. शि.(हिंदी) द्वारा "हिंदी दिवस" विषय पर व्याख्यान दिया गया।

*2. कक्षा दसवीं अ की छात्रा सुश्री प्राची द्वारा "हिंदी भाषा की उपयोगिता" विषय पर विचार प्रस्तुत किए गए।

*3. आदरणीय प्रधानाचार्य महोदय द्वारा हिंदी दिवस का महत्त्व बताते हुए अपने विचार व्यक्त किए गए।

*4. प्र. शि. स्ना.शि.(सामाजिक विज्ञान) द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

6.दिनांक 16.09.2020   एकल गीत प्रतियोगिता (सदन अनुसार)

Scout & Guides Activities 2020-21

Scout & Guides Report 2020-21

Group registration for the screening year 2020-21has been done with the following details

No of cubs-34

No. of scouts -51

No of bulbuls-39

No of guides-43.

No of uniform holder flock leaders /guide captains -6

No of scouts master-NIL

The following Activities were conducted through virtual mode as per instructions of BSG headquarters.

Details are as follows

Celebration of Sunrise day on August 01, 2020

Celebration of foundation day of bharat scouts and guides on 7 November 2020.

Celebration of constitution day on 26 November 2020

Index

- Hindi
- English
- Punjabi
- Sanskrit

तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

पापा

पापा वो पिता ही होता है

जो अपने बच्चो को अच्छे

विद्यालय में पढ़ाने के लिए दौड भाग करता है...

उधार लाकर डोनेशन भरता है,

जरूरत पड़ी तो किसी के भी

हाथ पैर भी पड़ता है, वो पिता होता हैं।।

हर कोलेज में साथ साथ घूमता है ,

बच्चे के रहने के लिए होस्टल ढूँढता है...

स्वतः फटे कपडे पहनता है

और बच्चे के लिए नयी जीन्स टी-शर्ट लाता है, वो पिता होता है ।

बेटी की विदाई पर दिल की गहराई से रोता है,

मेरी बेटी का ख्याल रखना हाथ जोड़ कर कहता है,

वो पपता होता है।

धन्यवाद

किरनजोत कौर

माँ

माँ वो है जो रखती है सबका ध्यान,
माँ वो है जो देती है सहि गलत क ग्यान.

माँ वो है जो हमरा जीवन करती है शुरू,
माँ वो है जो बन जाती है हमारी पहली गुरू.

माँ वो जिसने सबसे पहले थामा था मेरा हाथ,
माँ वो है जो देगी जीवन भर तेरा साथ.

माँ का हमेशा होता है सबसे निःस्वार्थ भाव,
माँ का होता है बच्चो के प्रती खुब लगाव.

माँ गाती है दुनिया का सबसे सुरिला गाना,
और वही बनाती है सबसे लाजवाब खाना.

माँ का आशिर्वाद करता है सबको प्रोतसाहित,
मेरी जीत पर होती है वो सबसे ज़्यादा उत्साहित.

माँ का आशिर्वाद करता है सबको प्रोतसाहित,
मेरी जीत पर होती है वो सबसे ज़्यादा उत्साहित.

मेरी माँ का तो क्या ही कहना,
चाहती हूँ सदा तेरे आँचल में छुपकर रेहना.

राशी सक्सेना
नौवीं 'अ'

तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

योगा

योग दुनिया मे सबसे लोकप्रिय अभ्यास है , जिसकी शुरुआत भारत मे योगियों द्वारा की गई | यह एक व्यायाम है जिसे हमारे शरीर को संतुलित करते है | यह जीवन भर सवस्थ रहने का अच्छा और सुरक्षित तरीका भी माना जाता है |

यह हमारे शरीर के साथ-साथ मन पर भी नियंत्रण रखने मे हमारी मदद करता है | यह हमे तनाव और चिंता से मुक्त करने का एक असरदार तरीका है | योग ने धीरे-धीरे लोकप्रिय हासिल की और दुनिया योग के महत्व को समझ चुकी है |

यदि हम नियमित रूप से अभ्यास करते है तो हम योग से आत्म-अनुशासन और आत्म-जागरूकता विकसित कर सकते है | कोई भी व्यक्ति योग का अभ्यास कर सकता है चाहे वह किसी भी उम्र का हो या जिस भी धर्म का पालन करता हो |

जब हम योग को अपने जीवन का एक अनिवार्य हिस्सा बनाते है और हर दिन इसका अभ्यास करते है तो यह हम सभी के लिए बहुत फायदेमंद साबित होता है | स्वस्थ और खुशहाल जीवन जीने के लिए सभी को इसका अभ्यास जरूर करना चाहिए |

रूद्र शेखर बेहेरा

छठी 'अ'

तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

सबसे प्यारी होती है माँ

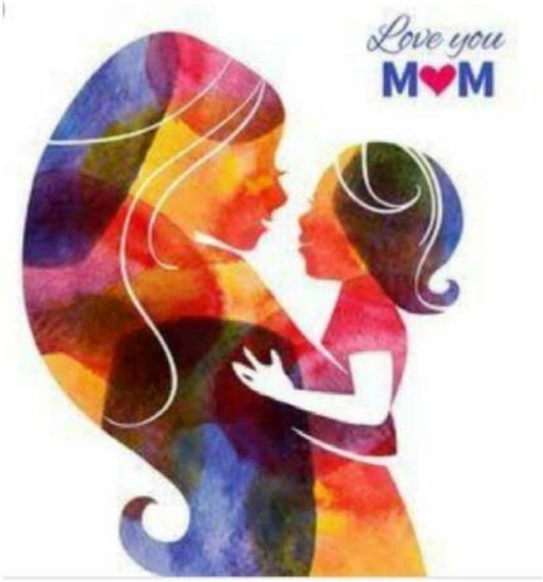

माँ धरती है, माँ नभ है,
माँ सब है, माँ सब है
बहुत गहरा है माँ का प्यार,
तभी तो पहले डाँटती हैं और
फिर खुध ही गले लगा लेती हैं।
सबसे प्यारी होती है माँ!

भगवान का दूसरा रूप है माँ।
वो न ही सिर्फ हमे जन्म देती है
बल्कि हमे ज़िन्दगी देती है
हमे ज़िन्दगी मे सही और गलत का
महत्त्व बताती है माँ।
सबसे प्यारी होती है माँ!

हमे जीवन जीना सिखाती है माँ
ज़िन्दगी मे सही दशा दिखाती है माँ।
लोग पता नही भगवान को कहा कहा ढूँढते है
पर उन्हे यह नही पता कि असली भगवान बसते ही
उनके माता-पिता मे ही।
कितनी प्यारी होती है माँ!

हमारी परिवार की और सभी की कितनी चिंता करती है माँ
कितना प्यार करती है माँ हमे
कितनी प्यारी होती है माँ!

दिन भर कितना काम करती है माँ,
फिर भी मुँह से 'उफ्फ' तक नही निकलती।
कितनी शक्तिशाली होती है माँ,कितना कुछ करती है माँ
तभी तो, सबसे प्यारी होती है माँ!!!

धन्यवाद

केन्द्रीय विद्यालय संगठन
तत् त्वं पूषन् अपावृणु

यह क्यों :-

- हर उभरी नस मलने का अभ्यास
  रुक रुककर चलने का अभ्यास
  छाया में पकने की आदत
  यह क्यों ?

- जब देखो दिल में एक उलझन
  उल्टे उल्टे से चाल - चलन
  सिर से पाँवों तक क्षत - विक्षत
  यह क्यों ?

- जीवन के दर्शन पर दिन - रात
  पण्डित ~~कि~~ विद्वानों जैसी बात
  लेकिन मूर्खों जैसी हरकत
  यह क्यों ?

नाम :- वंशिका
कक्षा :- 9th 'A'
अनुक्रमांक :- 9110

दोस्त अब थकने लगे है

किसीका -पेट- निकल आया है,
किसीके -बाल- पकने लगे है...

सब पर भारी -ज़िम्मेदारी- है,
सबको छोटी मोटी कोई -बीमारी- है।

दिनभर जो -भागते दौड़ते- थे,
वो अब चलते चलते भी -रुकने- लगे है।

पर ये हकीकत है,
सब दोस्त -थकने- लगे है...
किसी को -लोन- की फ़िक्र है,
कहीं -हेल्थ टेस्ट- का ज़िक्र है।

फुर्सत की सब को कमी है,
आँखों में अजीब सी नमीं है।

कल जो प्यार के -ख़त लिखते- थे,
आज -बीमे के फार्म- भरने में लगे है।

पर ये हकीकत है
सब दोस्त थकने लगे है....

नारी शक्ति
उड़ जायेंगें एक दिन परींदों की तरह
चले फलक तक रोके ना कोई जहाँ
बदलेगी हाथ की लकीरें
बदलेगा किस्मत का नूर
आज चले है धूप में
कल बरसात सा निखरे हमारा नूर।
पैर से बेड़ियाँ तोड़कर
हर मुश्कील को मोड़कर
उड़ान भरेगें कुछ इस तरह
आसमान को चखेंगे कुछ इस तरह
बरसों से तरसे अरमान
पूरे हो कुछ इस तरह
रूठे यार मन जाये जिस तरह
लिखें ख्वाब मिल जाये जिस तरह।
रूहानी हो जिंदगी
खुदा से हो वास्ता
फिर कभी न मुड़कर देखो
मकसद से न हो कभी फासला
ख्वाहिशें तो खैर सभी रखते है,
इबादत मंजिल की तो खैर सभी करते है,
हम वह अवलीया है
जो मंजिल को अपनी पहचान बनाते है।
उड़ जायेंगे एक दिन परिंदो की
चले फलक तक रोके न कोई।
मान्यता शर्मा सातवी 'अ' 'रमन'

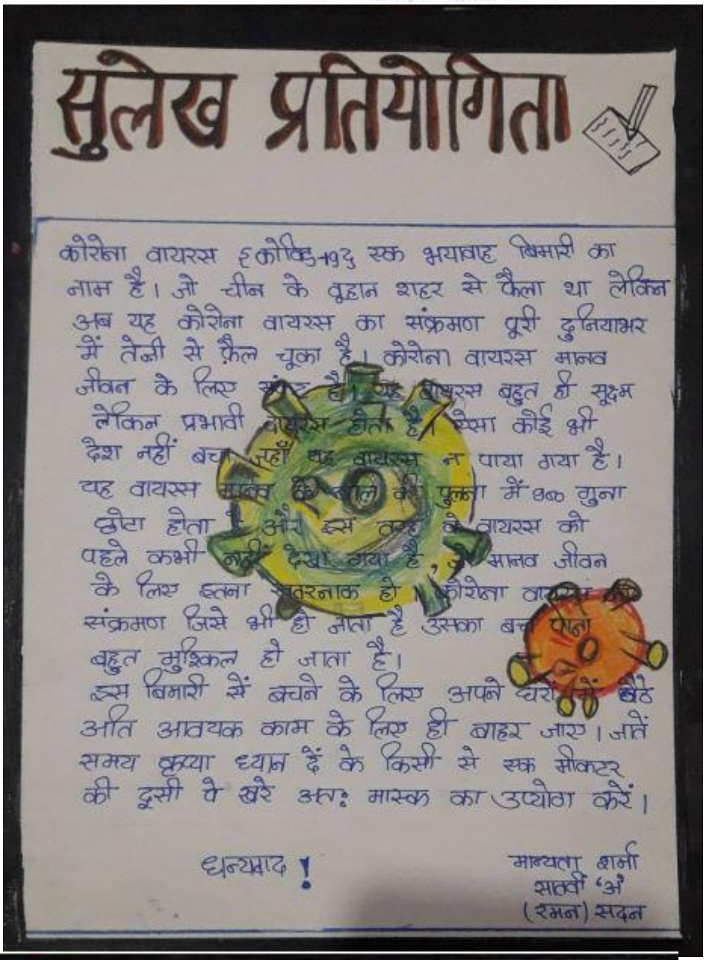
सुलेख प्रतियोगिता
कोरोना वायरस (कोविड-19) एक भयावह बिमारी का
नाम है। जो चीन के वुहान शहर से फैला था लेकिन
अब यह कोरोना वायरस का संक्रमण पूरी दुनियाभर
में तेजी से फ़ैल चुका है। कोरोना वायरस मानव
बहुत मुश्किल हो जाता है।
अति आवयक काम के लिए ही बाहर जाए। जाते
समय कृप्या ध्यान दें के किसी से एक मीटर
की दूरी पे रखें अतः मास्क का उपयोग करें।
धन्यवाद !
मान्यता शर्मा
सातवीं 'अ'
(रमन) सदन

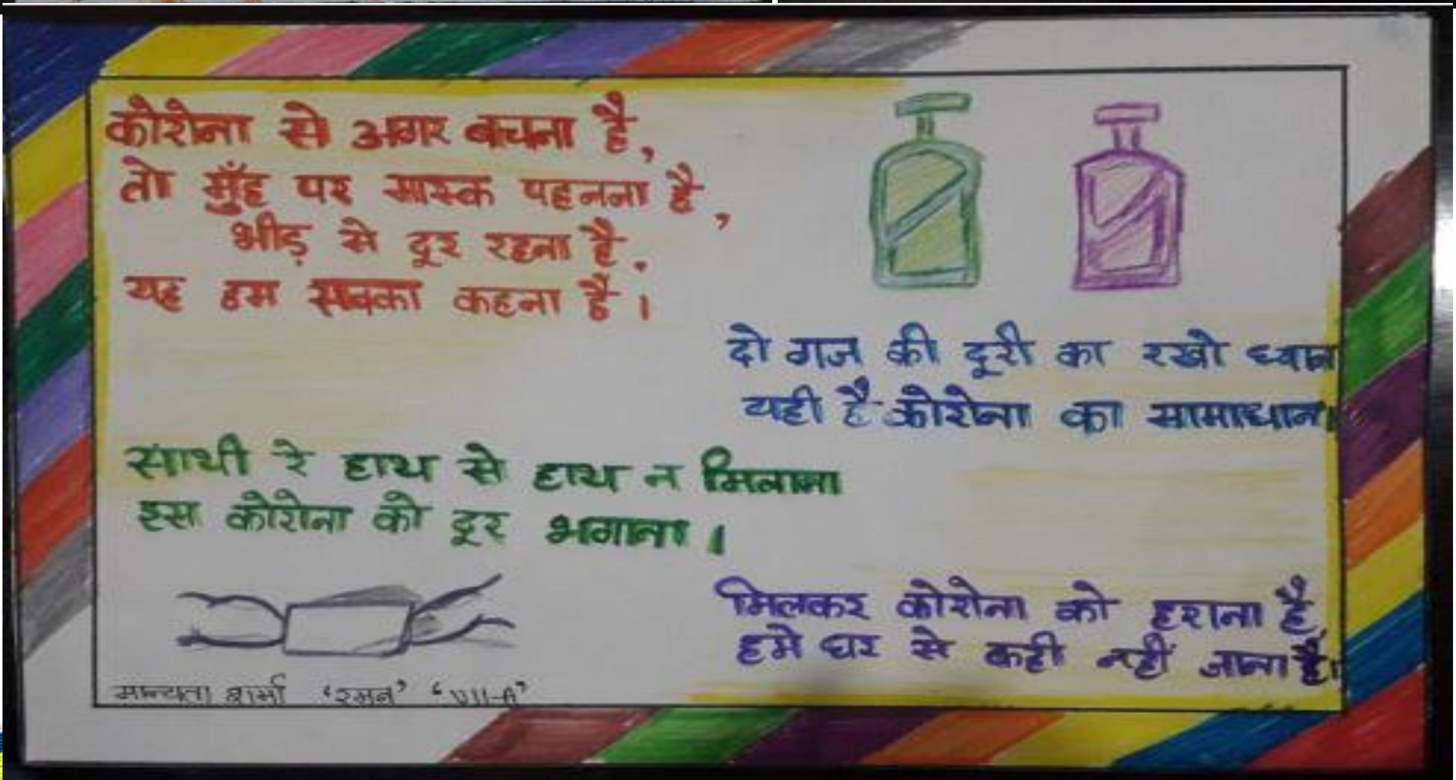
कोरोना से अगर बचना है,
तो मुँह पर मास्क पहनना है,
भीड़ से दूर रहना है,
यह हम सबका कहना है।
दो गज की दूरी का रखो ध्यान
यही है कोरोना का सामाधान।
साथी रे हाथ से हाथ न मिलाना
इस कोरोना को दूर भगाना।
मिलकर कोरोना को हराना है
हमे घर से कहीं नहीं जाना है।
मान्यता शर्मा 'रमन' 'VII-A'

तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

English Section

Mr. Play It Safe

Sawit Dutta

Empty desk
Perfectly planned
Mr. play it safe
Has everything at hand

He doesn't take any risks
For he plans everything
Mr. play it safe
Thinks, thinks, thinks

Doesn't have a lot of friends
Works round like a clocks hands
Mr. play it safe
Needs just about everything he has

Years passed by
In sync his life lies
Mr. play it safe
Likes to believe he lives a life

For change is the only constant things
For without uncertainty a life doesn't live
Mr. play it safe
Didn't account for the banana peel, slipped and fell off the hill

Blinding lights in his eyes, disinfectant in his nose
Tubes running down his throat
Mr. play it safe
Vaguely cautious

Realised how machine of a life he lived
Extra cautious and still couldn't beat death
Mr. play it safe
Had a realisation

To be spring, means accepting the risk of winter
To be presence, means accepting the risk of absence
To be born, means accepting the risk of death
To be happy, means accepting the risk of being sad
To be sad, means accepting the risk of being happy

"Cloudy weather, let's go for a drive"
"There's a trail, let's explore every height"
Mr. play it safe
Cherishes, enjoys with his old melancholic heart
The guilt of not living…now pushes me to live.

CASTEISM

What is this CASTEISM?

Why are people divided in different castes?

Why don't they understand that all people are same?

Why do people treat with them as someone different?

Why are those people marginalized and discriminated in the society

Where everyone is divided equal.

Why not they are given the same opportunity as normal people get

Do you know I sometimes wonder…!!!

That when I will grow up I will totally finish this caste system

So that no one would be discriminated, marginalized and treated unequal.

I want my country **Caste-Free, Equally treated, Togetherness** and a country where there is no such circumstances of getting Unequal Rights. I will make my country such country one day.

My country; **Caste- Free** country where everyone gets **Equal Rights...**

YASHASVI KUSHWAHA

X-A

तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

NATURE

The Sun is shining in the day,
The flowers are blooming for butterflies to play.
The water is blue,
The star gives clue.
The moon is white,
The mountains in hight.
The clouds are moving,
The birds are chirping.
The wind's blowing,
The streams are flowing.
Take care of nature,
Or pay for the future.

NAME :- Sumedha Mukhopadhyay
Roll no :- 30.
Class :- 6th B.

NATURE

Beauty of nature, we all love to see,
From tiny insect to exotic tree.
So much life and diversity.
You can learn more, at university.

Our environment, keep us alive,
We must protect it, for society to thrive.
Creats oxygen, that we all consume,
Whats more prettier, than a flower bloom?

We must combat, deforestation,
It is the duty of every single nation.
Let's begin, by fighting pollution,
Think together, to find a solution.

Climate change, we need to controle,
What about that ozone hole?
We must remember, to respect and cherish,
If we don't nature shall perish.

Name- Parneet Kaur
Class- IX-B
Kendriya Vidyalaya Baddowal Cantt

IMPORTANCE OF KNOWLEDGE

It is said, "Knowledge is Power". This quote has versatile shades of application and holds goods in several contexts. Knowledge has enabled us make all the advancements in the science and technology spheres that we have been able to achieve. It has made us far more capable, superior and sophisticated beings on this earth. Knowledge is the primary factor that clearly distinguishes the human race from the animals. Man has the power to judge situations, decide between what is good and what is bad and make decisions voluntarily. It is important that we make the best use of the gift of knowledge so that we achieve great feats and heights in every domain of our life.

My Mother

Oh My mother! She's a flower,
For me-She's happiness' shower.
She's God sent gift,
She helps me to uplift.
She encourages me to try,
And never to fall like a leaf dry.
She tells me to dream high,
She answers all my whats and whys.
For me she is a boon,
Around me she has built a Protective cocoon.
May God give her a long life,
Who, for my sake, will strife.
She's epitome of love and joy,
She brings for me a lot of toys.
For me, she resembles a God,
May she enjoy life, Oh my Lord!

Anumeet Kaur
VII-B
25

Designer

तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

Your Best

If you always try your best
Then you'll never have to wonder
About what you could have done
If you'd summoned all your thunder.

And if your best
Was not as good
As you hoped it would be,
You still could say,
"I gave today
All that I had."

Designer

तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

MOTHER EARTH

Earth is our mother
Whom we little bother;
She gives food and shelter to all mankind,
Being always dove like Kind.
I love the land of my birth,
Its fragrance always gives me mirth.
Some call it a planet or mere dust,
But to me it is my dear Mother Earth.
She has seen good and bad times,
Battles, wars, love and poetic rimes;
Even death will not separate the Mother and her son,
My body will be buried and we will become one.

Name → Mehakpreet Kaur
Class → VIth-B
Roll no. → 04.

तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

Coronavirus: Scare way the Pandemic

Coronavirus, the worst disease,
Hide in your homes, if you please.
A disease killing lives,
And spreading negative vibes,
Symptoms like fever making us weak,
Doctor's help, we need to seek.
Started in China, now, the world if sick,
Let us unite and find a cure, quick.
You will have fever as I told,
You will get headache and a cold.
Following up, then comes cough,
Getting rid of, is now quite tough.
You will get problems of respiration,
Now, we all need prevention.
Muscle pain can come too.
Let us build immunity, me and you.
Wash your hands with some soap,
We'll fight the virus, that's the hope.
Sneeze and cough into a tissue,
Let's take some steps to tackle this issue.

Don't go crowded places,
Don't be one of those thousand cases.
Visit a Doctor if you need care,
Now, Just make others, all aware.

A Butterfly

A man found a cocoon for a butterfly. One day a small opening appeared, he sat and watched the butterfly for several hours as it struggled to force its body through the little hole. Then it seemed to stop making any progress. It appeared as if it had gotten as far as it could and could go no farther. Then the man decided to help the butterfly.

He took a pair of scissors and snipped the remaining bit of the cocoon. The butterfly then emerged easily. Something was strange. The butterfly had a swollen body and shriveled wings. The man continued to watch the butterfly because he expected at any moment, the wings would enlarge and expand to be able to support the body, which would contract in time. Neither happened. In fact, the butterfly spent the rest of its life crawling around with a swollen body and deformed wings. It was never able to fly.

What the man in his kindness and haste did not understand, was that the restricting cocoon and the struggle required for the butterfly to get through the small opening of the cocoon are God`s way of forcing fluid from the body of the butterfly into its wings so that it would be ready for flight once it achieved its freedom from the cocoon. Sometimes struggles are exactly what we need in our life.

If God allowed us to go through all our life without any obstacles, that would cripple us. We would not be as strong as what we could have been. Not only that, we could never fly.

Anoop Kaur
IXth A

The Clouds That Are Light

THE clouds that are so light,
Beautiful, swift and bright,
Cast shadows on field and park
Of the earth that is so dark,

And even so now, light one!
Beautiful, swift and bright one!
You let fall on a heart that was dark,
Unillumined, a deeper mark.

But clouds would have, without earth
To shadow, far less worth:
Away from your shadow on me
Your beauty less would be,

And if it still be treasured
An age hence, it shall be measured
By this small ~~park~~ spot
Without which it were not.

केन्द्रीय विद्यालय संगठन
तत् त्वं पूषन् अपावृणु

BIO DIVERSITY - WHAT WE CAN DO

Biodiversity is the presence of different species of plants and animals on the earth. Moreover, it is also called biological diversity as it is related to the variety of species of flora & fauna. Biodiversity plays a major role in maintaing the balance of the earth. Furthermore, everything depends upon the biological diversity of different plants and animals. But due to some reasons, biodiversity is decreasing day by day. If it does not stop then our earth could no longer be a place to live in. Therefore different measures help in increasing the biodiversity of the earth.

Methods to increase Biodiversity - Building wildlife corridors - This means to build connections between wildlife spaces. In other words, many animals are incapable to across huge barries. Therefore they are no able to migrate the barries and breed. So different engineering techniques can make wildlife corridors. Also, help animals to move from one place to the other. Set up gardens - Setting up gardens in the houses in the easiest way to increase biodiversity. You can grow different types of plants and animals in the yard or even in the balcony. Further, this would help in increasing the amount of fresh air in the house. Protected areas - protected areas like wildlife sanctuaries and zoo conserve biodiversity. For instance they maintain the nature habitat of plants & animal. Furthermore, these places are away from any human civilization. Therefore the ecosystem is well maintained which makes it a perfect breeding ground for flora & fauna.

Sarvarinder Kaur Class - IX - B

Punjabi Section

तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

ਸ਼੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਤੇਗ਼ ਬਹਾਦਰ ਜੀ

ਹਰਗੋਬਿੰਦ ਗੁਰੂ ਦੇ ਪੁੱਤਰ
ਤੇਗ਼ ਬਹਾਦਰ ਪਿਆਰੇ ।
ਮਾਤਾ ਸਹਿਬ ਨਾਨਕੀ ਜੀ ਦੇ,
ਰੋਸ਼ਨ ਅੱਖੀ ਤਾਰੇ ।
ਉਮਰ ਨਿੱਕੀ ਵਿੱਚ, ਗੁਰੂਆਂ ਵਾਲੇ
ਲੱਛਣ ਚਮਕੇ ਸਾਰੇ ।
ਮਾਤ ਪਿਤਾ ਨੇ ਲਾਲ ਪੁੱਤਰ ਦੇ
ਦਰਸ਼ਨ ਜਿਸ ਪਲ ਪਾਏ ।
ਖ਼ੁਸ਼ੀਆਂ ਦੇ ਵਿੱਚ ਮੋਤੀਆਂ ਵਾਲੇ,
ਭਰ ਭਰ ਬੁੱਕ ਲੁਟਾਏ ।
ਧਰਮੀ ਰਣ ਵਿੱਚ ਪੁੱਤ ਪਿਆਰਾ
ਪੂਰਾ ਜੋਧਾ ਡਿੱਠਾ ।
ਰਖ ਦਿੱਤਾ ਤਾਂ 'ਤੇਗ਼ ਬਹਾਦਰ'
ਨਾਮ ਪਿਆਰਾ ਮਿੱਠਾ ।

Sarwarinder
Class - 9th B
K.V. ...

ਮਾਤਾ-ਪਿਤਾ

ਮਾਤਾ-ਪਿਤਾ ਦੀ ਸੇਵਾ ਕਮਾਉ,
ਦੁਨੀਆ ਦੇ ਵਿੱਚ ਸ਼ੋਭਾ ਪਾਉ।
ਇਹਨਾਂ ਵਰਗਾ ਹੋਰ ਨਾ ਕੋਈ,
ਜੋ ਸਗੀ ਦਿੱਸੇ ਨੇ ਸੋਈ।

ਲਾਡ ਲਡਾਉਂਦੇ, ਖੁਸ਼ੀ ਮਨਾਉਂਦੇ,
ਬੱਚਿਆਂ ਤੋਂ ਜਿੰਦ-ਜਾਨ ਵਾਰਦੇ।
ਤੁਸੀਂ ਉਹਨਾਂ ਦੇ ਨੈਣ-ਪ੍ਰਾਣ,
ਫੁੱਲ ਹੋ ਫੁੱਲਾਂ ਦੀ ਮੁਸਕਾਨ।

ਫੁੱਲ ਹੋ ਤੁਸੀਂ ਰੁੱਖ ਦੇ ਉਹ,
ਸੁੱਖ ਵਿੱਚ ਸਹਿ ਕੇ ਦੁੱਖ ਨੇ ਉਹ।
ਤੁਸੀਂ ਉਹਨਾਂ ਦੀ ਜਿੰਦ-ਜਾਨ ਹੋ,
ਭੂਤ, ਭਵਿੱਖ, ਵਰਤਮਾਨ ਹੋ।

ਅਨੁਮੀਤ ਕੌਰ
VII-B
15

ਹਰਗੋਬਿੰਦ ਗੁਰੂ ਦੇ ਪੁੱਤਰ
ਤੇਗ਼ ਬਹਾਦਰ ਪਿਆਰੇ।
ਮਾਤਾ ਸਾਹਿਬ ਨਾਨਕੀ ਜੀ ਦੇ,
ਰੌਸ਼ਨ ਅੱਖੀ ਤਾਰੇ।

GAGANPREET KAUR

ਜਿਉਂ ਕਸਤੂਰੀ ਨਾਫ਼ੇ ਵਿਚੋਂ
ਖੁਸ਼ਬੂ ਪਈ ਖਿਲਾਰੇ।
ਉਮਰ ਨਿੱਕੀ ਵਿੱਚ, ਗੁਣਾਂ ਵਾਲੇ
ਲੱਛਣ ਚਮਕੇ ਸਾਰੇ।

ਮਾਤ ਪਿਤਾ ਨੇ ਲਾਲ ਪੁੱਤਰ ਦੇ
ਦਰਸ਼ਨ ਜਿਸ ਪਲ ਪਾਏ।
ਖੁਸ਼ੀਆਂ ਦੇ ਵਿੱਚ ਮੋਤੀਆਂ ਵਾਲੇ,
ਭਰ ਭਰ ਬੁੱਕ ਲੁਟਾਏ।

ਡਲ੍ਹ ਡਲ੍ਹ ਪੈਂਦੀ ਚਿਹਰੇ ਵਿੱਚੋਂ
ਜਿਉਂ ਝਲਕ ਪਿਆਰੇ ਰੱਬ ਦੀ
ਲਾਟ ਉਤਾਰਾਂ ਵਾਲੀ ਵੇਖੀ
ਮਸਤਕ ਅੰਦਰ ਜਗਦੀ।

ਧਰਮੀ ਰਣ ਵਿੱਚ ਪੁੱਤ ਪਿਆਰਾ
ਪੂਰਾ ਜੋਧਾ ਡਿੱਠਾ।
ਰੱਖ ਦਿੱਤਾ ਤਾਂ 'ਤੇਗ਼ ਬਹਾਦਰ'
ਨਾਮ ਪਿਆਰਾ ਮਿੱਠਾ।

ਬਾਬੂ ਫ਼ਿਰੋਜ਼ਦੀਨ ਸ਼ਰਫ਼
ਤੇਗ਼ ਬਹਾਦਰ

ਧੰਨ ਧੰਨ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਤੇਗ ਬਹਾਦਰ ਜੀ।

ਤਿਲਕ ਜੰਞੂ ਰਾਖਾ ਪ੍ਰਭ ਤਾਕਾ ॥
ਕੀਨੋ ਬਡੋ ਕਲੂ ਮਹਿ ਸਾਕਾ ॥
ਸਾਧਨਿ ਹੇਤਿ ਇਤੀ ਜਿਨਿ ਕਰੀ ॥
ਸੀਸ ਦੀਆ ਪਰ ਸੀ ਨ ਉਚਰੀ ॥

तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਤੇਗ ਬਹਾਦਰ ਜੀ

ਬਾਲ ਗੋਬਿੰਦ ਰਾਏ :---
ਕਿਉਂ ਆਏ ਪਿਤਾ ਜੀ ਪੰਡਿਤ ਮਤ,
ਕਸ਼ਮੀਰ ਚੱਲ ਕੇ ਸਾਰੇ ਏਥੇ,
ਸ੍ਰੀ ਗੁਰ ਤੇਗ ਬਹਾਦਰ ਜੀ :---
ਅੱਜ ਲੋੜ ਹੈ ਧਰਮ ਬਚਾਵਣ ਲਈ
ਕੋਈ ਜੋਧਾ ਹੀ ਸਿਰ ਵਾਰੇ ਜੀ।

" ਅੱਤ ਚੁੱਕੀ ਔਰੰਗੇ ਨੇ,
ਸਵਾ ਮਣ ਜੰਞੂ ਰੋਜ਼ ਲਾਹਿਆ।
ਹਰ ਮਕਾਨ ਮਸੀਤ ਬਣੇ,
ਹਰ ਪਾਸੇ ਮੁਸਲਿਮ ਛਾਇਆ।
ਦਰ ਬਾਬੇ ਨਾਨਕ ਦਾ,
ਆਇਆ ਪੈਂਦਾ ਕੋਈ ਪੁਕਾਰੇ ਜੋ।
ਅੱਜ ਲੋੜ ਹੈ ਧਰਮ ਬਚਾਵਣ ਲਈ
ਕੋਈ ਜੋਧਾ ਹੀ ਸਿਰ ਵਾਰੇ ਜੀ।

ਨਰਿੰਦਰ ਬਾਸੀ

Ramandeep Kaur
Class - 9th B
K.V. Baddowal Cantt.

ਸਿਹਤ ਧਨ ਹੈ,

ਕਿਸੇ ਨੇ ਠੀਕ ਹੀ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਜੇ ਸਿਹਤ ਨਹੀਂ , ਤਾਂ ਸਮਾਂ ਕੁਝ ਵੀ ਨਹੀਂ । ਮੈਂ ਤੁਹਾਡੇ ਕੋਲ ਚੰਗੀ ਸਿਹਤ ਨਾ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਜ਼ਿੰਦਗੀ ਦਾ ਅਖ ਖ਼ਤਮ ਹੋ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਨਾ ਹੀ ਰੂਸੀ ਭੋਜਨ ਅਤੇ ਨਾਂ ਹੀ ਦੁਨੀਆਂ ਦਾ ਆਨੰਦ ਮਾਏ ਗਏ ਹੈ । ਜੇ ਹੁਣ ਕੋਲ ਬੰਗੀ ਸਿਹਤ ਨਹੀਂ ਦੁਨੀਆਂ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਖੁਸੀਆਂ ਦੇ ਕੁਝ ਪਲ ਬਿਤਾਉਣਾ ਵੀ ਬਹੁਤ ਸਕਲ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਇੱਕ ਸਿਹਤਮੰਦ ਵਿਅਈ ਕਿਸੇ ਵੀ ਅਮੀਰ ਅਸਵਸਥਾ ਵਿਅਕਤੀ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਮੁਜ਼ਹਤ ਅਤੇ ਸਾਂਤਮਈ ਜੀਵਨ ਬਤੀਤ ਕਰ ਸਕਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਲਈ ਅਸੀਂ ਕਹਿ ਸਕਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਇੱਕ ਆਦਮੀ ਦੀ ਸਾਰੀ ਜਾਇਦਾਦ ਉਸ ਦੀ ਚੰਗੀ ਸਿਹਤ ਹੁੰਦੀ ਹੈ।ਸਿਹਤ ਕੇਵਲ ਰੋਗ ਅਤੇ ਕਮਜ਼ੋਰੀ ਤੋਂ ਆਜ਼ਾਦੀ ਦਾ ਨਾਂ ਹੀ ਨਹੀਂ ਹੈ , ਪਰ ਸੰਪੂਰਥ ਸਰੀਰਕ , ਸਮਾਜਿਕ ਅਤੇ ਮਾਨਸਿਕ ਤੰਦਰੁਸਤੀ ਦੀ ਸਥਿਤੀ ਵੀ ਹੈ । ਚੰਗੀ ਸਿਹਤ ਕਿਸੇ ਟਿਅਕਤੀ ਏ ਦਿਮਾਗ , ਸਰੀਰ ਅੰਤ ਆਤਮਾ ਦੀ ਉਹ ਸਥਿਤੀ ਹੈ ਜਿਸ ਵਿੱਚ ਉਹ ਕਿਸੇ ਵੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਬਿਮਾਰੀ , ਸੱਚ ਅਤੇ ਦਰਦ ਤੋਂ ਲੜ ਜੇ ਤੁਸੀਂ ਸਬਦ ਅਤੇ ਤੰਦਰੁਸਣ ਹੋ ਤਾਂ ਤੁਸੀ ਦੂਜਿਆਂ ਲਈ ਇੱਕ ਸਾਨਦਾਰ ਉਦਾਹਰਣ ਬਣ ਸਕਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਸਿਖਾ ਸਕਦੇ ਹੋ ਕਿ ਵਧੀਆ ਸਿਹਤ ਕਿਵੇਂ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕੀਤੀ ਜਾ ਸਕਦੀ ਹੈ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਤੰਦਰੁਸਤ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀ ਉਹ ਗਰੀਬ ਹੀ ਹੁੰਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਉਨਾਂ ਕੋਲ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਪੈਸੇ ਕਿਉਂ ਨਾ ਹੋਣ । ਚੰਗੀ ਸਿਹਤ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਨ ਲਈ , ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਸਿਹਤਮੰਦ ਜੀਵਨ ਸੈਲੀ ਦੀ ਪਾਲਣਾ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਜੋ ਲੋਕ ਤੰਦਰੁਸਦ ਜੀਵਨ ਸੈਲੀ ਦੀ ਪਾਬੰਦੀ ਨਹੀਂ ਕਰਦੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਬਲੱਡ ਪ੍ਰੈਸਰ , ਦਿਲ ਦੀਆਂ ਬਿਮਾਰੀਆਂ , ਸੋਪੇ , ਡਾਇਬੀਟੀਜ਼ , ਕੋਲੇਸਟ੍ਰੋਲ , ਗੁਰਦਿਆਂ ਦੀਆਂ ਸਮੱਸਿਆ , ਜਿਗਰ ਦੀਆਂ ਬਿਮਾਰੀਆਂ , ਅਤੇ ਹੋਰ ਕਈ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਸਿਹਤ ਸਮੱਸਿਆਵਾਂ ਹੋ ਸਕਦੀਆਂ ਹਨ । ਚੰਗੀ ਸਿਹਤ ਹੋਈ ਪ੍ਰਮਾਤਮਾ ਦੀ ਬਹੁਤ ਵੱਡੀ ਬਰਕਤ ਹੈ । ਚੰਗੀ ਸਿਹਤ ਬਣਾਈ ਰੱਖਣ ਲਈ ਅਨੁਸਾਸਿਤ ਜੀਵਣ ਜੀਣਾ ਬੇਹੱਦ ਜ਼ਰੂਰੀ ਸਾਨੂੰ ਆਪਣੀ ਸਿਹਤ ਦਾ ਧਿਆਨ ਰੱਖਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਲਈ ਸਾਨੂੰ ਹਮੇਸਾ ਸਧਾਰਨ ਅਤੇ ਸੰਤੁਲਤ ਆਹਾਰ ਖਾਸ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ । ਤੰਦੁਰਸਤ ਸਰੀਰ ਅਤੇ ਤੰਦੁਰਸਤ ਮਨ ਲਈ ਕਸਰਤ ਬਹੁਤ ਮਹੱਤਵਪੂਰਨ ਹੈ । ਇਸ ਈ ਸਾਨੂੰ ਰੋਜ਼ਾਨਾ ਕਸਰਤ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਲੰਬੀ ਸੈਰ ਵੀ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ । ਹੀ ਚੰਗੀ ਨੀਂਦ ਵੀ ਸਾਡੀ ਸਿਹਤ ਲਈ ਬਹੁਤ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ । ਕੀ ਤੋਂ ਅਗ ' ਭਲਾ ।

ਤੁਹਾਡਾ ਧੰਨਵਾਦ

ਨਾਮ ,ਅਕਸਰਾ ਭੱਲਾ.

ਕਲਾਸ, 7 ਏ.

ਰੋਲ ਨੰਬਰ 26.

तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

ਅਧਿਆਪਕ ਇਕ ਮਾਰਗ ਦਰਸਕ

5 ਸਤੰਬਰ ਨੂੰ ਪੂਰੇ ਭਾਰਤ ਵਿੱਚ ਅਧਿਆਪਕ ਦਿਵਸ ਵਜੋਂ ਜਾਣਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਨੂੰ ਅਧਿਆਪਨ ਦਾ ਫ਼ਰਮਾਨ ਕਿਉਂ ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ? ਕਿਉਂਕਿ ਇਸ ਦਿਨ, ਭਾਰਤ ਦੇ ਪ੍ਰਸਿੱਧ ਅਤੇ ਸਤਿਕਾਰਯੋਗ ਅਧਿਆਪਕ, ਡਾਕਟਰ ਗਿਆ 65 ਦਾ ਜਨਮ ਹੋਇਆ ਸੀ. ਉਸ ਦਾ ਜਨਮਦਿਨ ਅਧਿਆਪਕ ਦਿਵਸ ਵਜੋਂ ਜਾਣਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ. ਡਾ. ਰਾਮ ਕ੍ਰਿਸਨ ਜੀ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਕੌਮੀ ਏਕਤਾ ਇੱਟਾਂ ਅਤੇ ਹਥੌੜੇ ਨਾਲ ਨਹੀਂ ਬਣੀ, ਇਸ ਲਈ ਵਿਦਿਆ ਦਾ ਪ੍ਰਚਾਰ ਕਰਨਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ। ਸਿਰਫ ਅਧਿਆਪਕ ਹੀ ਵਿਦਿਆ ਫੈਲਾ ਸਕਦਾ ਹੈ. ਅਧਿਆਪਕ ਦੇਸ ਦਾ ਨਿਰਮਾਤਾ ਹੈ. ਭਾਰਤੀ ਇਤਿਹਾਸ ਵਿਚ, ਵਿਅਕਤੀ ਦੀ ਮਾਂ ਨੂੰ ਪਹਿਲਾਂ ਅਧਿਆਪਕ ਮੰਨਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ. ਇਹ ਜੀਜਾ ਬਾਈ ਨੇ ਹੀ ਸਿਵ ਨੂੰ ਰੂਹ ਵਿਚ ਬਹਾਦਰੀ ਭਰੀ। ਬੱਚਾ ਘਰ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਸਕੂਲ ਜਾਂਦਾ ਹੈ. ਜਿਥੇ ਉਹ ਅਧਿਆਪਕ ਦੀ ਸੁਗਾ ਲੀਡ 'ਤੇ ਧੂਮ ਮਚਾਉਂਦਾ ਹੈ. ਇਕ ਲੇਖਕ ਨੇ ਇਸ ਬਾਰੇ ਸਹੀ ਲਿਖਿਆ ਹੈ: ਸਕੂਲ ਇਕ ਸੱਪ ਹੈ, ਅਧਿਆਪਕ ਇਕ ਮਾਲੀ ਹੈ ਅਤੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਇਕ ਪੌਦਾ ਹੈ. "ਇਸ ਵਿਚ ਕੋਈ ਸੱਕ ਨਹੀਂ ਕਿ ਪੌਦਾ ਆਪਣੇ ਆਪ ਵਧ ਸਕਦਾ ਹੈ ਪਰ ਅਧਿਆਪਕ ਇਸ ਨੂੰ ਸਹੀ ਦਿਸਾ ਵਿਚ ਵਧਾਉਂਦਾ ਹੈ. ਅਧਿਆਪਕ ਇਕ ਵਿਦਿਆਰਥੀ, ਜੀਵਨ-ਨਿਗਰਾਨੀ, ਸੁਪਰਵਾਈਜ਼ਰ ਅਤੇ ਆਪਣੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਲਈ ਮਾਰਗ ਦਰਸਕ ਹੈ. ਅਧਿਆਪਕ ਬੱਚਿਆਂ ਨੂੰ ਸਾਰੇ ਧਰਮਾਂ ਦਾ ਸਤਿਕਾਰ ਕਰਨਾ ਸਿਖਾਉਂਦਾ ਹੈ. ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਇਕ ਅਜਿਹੀ ਕਿਤਾਬ ਹੈ ਜਿਸ ਨੂੰ ਹਰ ਪੰਨੇ 'ਤੇ ਅਧਿਆਪਕ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹਨਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ. ਅਧਿਆਪਕ ਬੱਚੇ ਨੂੰ ਹਨੇਰੇ ਤੋਂ ਰੋਸਨੀ ਵੱਲ ਲੈ ਜਾਂਦਾ ਹੈ. ਉਹ ਬੱਚਿਆਂ ਨੂੰ ਗਲਤੀਆਂ ਤੋਂ ਬਚਾਉਂਦਾ ਹੈ. ਇਸਲਈ, ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਨੂੰ ਵੀ ਆਪਣੇ ਅਧਿਆਪਕ ਦਾ ਆਦਰ ਕਰਨ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਚੰਗੇ ਹੋਣ ਲਈ ਕਹਿਣ ਦੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਹੈ. ਸਿਖਿਆ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਕੇ ਆਪਣੀ ਜਿੰਦਗੀ ਨੂੰ ਸਫਲ ਬਣਾਓ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਆਪਣੇ ਵਿਸੇ ਦਾ ਪੂਰਾ ਗਿਆਨ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਉਹਨਾਂ ਨੂੰ ਗਿਆਨ ਦੇ ਅਸਲ ਰੂਪ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ ਬੱਚੇ ਦੇ ਨਾਲ ਹਮਦਰਦੀ ਵਾਲਾ ਵਤੀਰਾ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ. ਸਿੱਖਿਆ ਨੂੰ ਗੁਜਾਰਾ ਕਮਾਉਣ ਦਾ ਇੱਕ ਸਾਧਨ ਨਹੀਂ ਮੰਨਿਆ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ. ਅੰਤ ਵਿੱਚ, ਅਧਿਆਪਕ ਦੇ ਸਨਮਾਨ ਵਿੱਚ ਇਹੀ ਕਿਹਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ: "ਅਧਿਆਪਕ ਇੱਕ ਮੋਮਬੱਤੀ ਵਰਗਾ ਹੈ ਜੋ ਆਪਣੇ ਆਪ ਨੂੰ ਸਾੜਦਾ ਹੈ ਪਰ ਆਪਣੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਦੇ ਜੀਵਨ ਵਿੱਚ ਚਾਨਣਾ ਪਾਉਂਦਾ ਹੈ".

ਤੁਹਾਡਾ ਧੰਨਵਾਦ

ਅਕਸਰਾ ਭੱਲਾ .

ਕਲਾਸ 7 ਏ.

ਰੋਲ ਨੰਬਰ 26.

ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਲਈ ਕੋਰੋਨਾ ਵਾਇਰਸ ਦਾ ਦੌਰ

ਅੱਜ ਦਾ ਦੌਰ ਸਮੁੱਚੀ ਮਨੁੱਖਤਾ ਲਈ ਮੁਸ਼ਕਲਾਂ ਭਰਿਆ ਦੌਰ ਹੈ। ਜਿੱਥੇ ਕੋਰੋਨਾ ਵਾਇਰਸ ਨੇ ਸਮੁੱਚੇ ਸੰਸਾਰ ਦੇ ਸਮਾਜਿਕ ਜੀਵਨ ਨੂੰ ਬਦਲ ਕੇ ਦਿੱਤਾ, ਉੱਥੇ ਹੀ ਆਰਥਿਕ, ਰਾਜਨੀਤਿਕ, ਵਪਾਰਕ, ਸਿੱਖਿਅਕ ਖੇਤਰ ਵਿਚ ਵੀ ਵੱਡੇ ਬਦਲਾਓ ਮਹਿਸੂਸ ਕੀਤੇ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ। ਉਂਝ ਇਹ ਲਾਜ਼ਮੀ ਵੀ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਇਸ ਮਹਾਮਾਰੀ ਨੂੰ ਰੋਕਣ ਲਈ ਅਜਿਹੇ ਕਦਮ ਲਾਹੇਵੰਦ ਅਤੇ ਕਾਰਗਰ ਸਾਬਿਤ ਹੋ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਖ਼ੈਰ! ਸਾਡੇ ਅੱਜ ਦੇ ਲੇਖ ਦਾ ਮੂਲ ਵਿਸ਼ਾ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਮਹਾਮਾਰੀ (ਕੋਰੋਨਾ ਵਾਇਰਸ) ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਲੋਕ ਮਾਨਸਿਕ ਰੋਗਾਂ ਦੀ ਚਪੇਟ ਵਿਚ ਆ ਰਹੇ ਹਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਨ੍ਹਾਂ ਮਾਨਸਿਕ ਰੋਗਾਂ ਤੋਂ ਕਿਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਬਚਾਇਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ? ਇਸ ਵਿਸ਼ੇ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਤ ਸੰਖੇਪ ਵਿਚਾਰ ਹੀ ਇਸ ਲੇਖ ਦਾ ਮੂਲ ਮੰਤਵ ਹੈ। ਕੋਰੋਨਾ ਦੇ ਚੱਲਦਿਆਂ ਨਿੱਕੇ ਬੱਚਿਆਂ, ਬਜ਼ੁਰਗਾਂ ਅਤੇ ਔਰਤਾਂ ਉੱਪਰ ਇਸਦਾ ਡੂੰਘਾ ਪ੍ਰਭਾਵ ਵੇਖਣ ਨੂੰ ਮਿਲ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਇਹ ਲੋਕ ਮਾਨਸਿਕ ਰੋਗਾਂ ਦੇ ਸ਼ਿਕਾਰ ਹੋ ਰਹੇ ਹਨ। ਸੰਨ 2016 ਵਿਚ ਕੀਤੇ ਗਏ ਇਕ ਸਰਵੇਖਣ ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ ਭਾਰਤ ਵਿਚ 14% ਫੀਸਦੀ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਅਮੂਮਨ ਮਾਨਸਿਕ ਇਲਾਜ ਦੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚੋਂ ਵੀ 2% ਫੀਸਦੀ ਲੋਕ ਤਾਂ ਗੰਭੀਰ ਮਾਨਸਿਕ ਰੋਗਾਂ ਨਾਲ ਪੀੜਿਤ ਹੁੰਦੇ ਹਨ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਰੋਗੀਆਂ ਵਿਚੋਂ ਹਰ ਵਰ੍ਹੇ ਤਕਰੀਬਨ 2 ਲੱਖ ਲੋਕ ਆਤਮ-ਹੱਤਿਆ ਵਰਗੇ ਕਦਮ ਵੀ ਚੁੱਕ ਲੈਂਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਸਰਵੇਖਣ ਅਨੁਸਾਰ ਸ਼ਹਿਰੀ ਖੇਤਰਾਂ ਵਿਚ ਪੇਂਡੂ ਖੇਤਰਾਂ ਨਾਲੋਂ ਵੱਧ ਮਾਨਸਿਕ ਰੋਗਾਂ ਦਾ ਪ੍ਰਭਾਵ ਵੇਖਣ ਨੂੰ ਮਿਲਦਾ ਹੈ। ਇੱਥੇ ਖ਼ਾਸ ਗੱਲ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਭਾਰਤ ਵਿਚ 65% ਫੀਸਦੀ ਆਬਾਦੀ 35 ਸਾਲ ਤੋਂ ਘੱਟ ਉਮਰ ਦੀ ਹੈ। ਇਹ ਲੋਕ ਅੱਜ ਕੱਲ ਵੱਡੀ ਗਿਣਤੀ ਵਿਚ ਮਾਨਸਿਕ ਰੋਗਾਂ ਦੀ ਚਪੇਟ ਵਿਚ ਆ ਰਹੇ ਹਨ। ਬੱਚੇ ਕਿਉਂਕਿ ਲੰਮੇ ਸਮੇਂ ਤੋਂ ਆਪਣੇ ਸਕੂਲਾਂ ਤੋਂ ਦੂਰ ਹਨ। ਸਕੂਲ ਜਾਣਾ ਤਾਂ ਮਹਤੱਵਪੂਰਨ ਕਾਰਜ ਹੁੰਦਾ ਹੀ ਹੈ, ਸਗੋਂ ਸਕੂਲ ਜਾਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਸਕੂਲ ਦੀ ਤਿਆਰੀ ਦਾ ਸਮਾਂ ਹੋਰ ਜ਼ਿਆਦਾ ਮਹੱਤਵਪੂਰਨ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਬੱਚੇ ਨੂੰ ਆਪਣੀ ਵਰਦੀ, ਬੂਟ, ਹੋਮ- ਵਰਕ ਅਤੇ ਦੋਸਤਾਂ, ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਨੂੰ ਮਿਲਣ ਦਾ ਚਾਅ ਹੁੰਦਾ ਹੈ, ਜਿਹੜਾ ਅੱਜ ਕੱਲ ਕਿਤੇ ਦੇਖਣ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਮਿਲ ਰਿਹਾ, ਕਿਉਂਕਿ ਸਕੂਲ ਬਿਲਕੁਲ ਬੰਦ ਹਨ। ਦੂਜੇ ਪਾਸੇ, ਹਰ ਵਕਤ ਘਰ ਵਿਚ ਕੋਰੋਨਾ ਵਾਇਰਸ ਦੀ ਗੱਲਬਾਤ ਅਤੇ ਮਾਂ-ਬਾਪ ਦੀਆਂ ਝਿੜਕਾਂ ਬੱਚਿਆਂ ਨੂੰ ਮਾਨਸਿਕ ਰੋਗੀ ਬਣਾ ਰਹੀਆਂ ਹਨ। ਇੱਥੇ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਨੁਕਤਾ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਬੱਚਿਆਂ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਸਕੂਲ ਦੇ ਦੋਸਤਾਂ-ਮਿੱਤਰਾਂ ਨਾਲ ਗੱਲਬਾਤ ਕਰਨ ਦਾ ਮੌਕਾ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਉਹ ਚਾਹੇ ਮੋਬਾਇਲ ਫੋਨ ਰਾਹੀਂ ਹੋਵੇ ਅਤੇ ਚਾਹੇ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਮਾਧਿਅਮ ਰਾਹੀਂ। ਬੱਚੇ ਜਦੋਂ ਆਪਣੇ ਦੋਸਤਾਂ ਨਾਲ ਗੱਲਬਾਤ ਕਰਨਗੇ ਤਾਂ ਉਹ ਬਿਹਤਰ ਮਹਿਸੂਸ ਕਰਨਗੇ ਅਤੇ ਖੁਸ਼ ਵੀ ਹੋਣਗੇ।

~ ਬਲਰਾਜ ਸਿੰਘ
ਜਮਾਤ - 7 ਵੀਂ 'ਬ'
ਰੋਲ ਨੰਬਰ - 39

तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਲਈ ਨੈਤਿਕ ਦੇ ਕਦਰਾਂ ਕੀਮਤਾਂ ਦਾ ਮਹੱਤਵ

ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਨੈਤਿਕ ਕਦਰਾਂ-ਕੀਮਤਾਂ ਦੀ ਸਿੱਖਿਆ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਨ ਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ 'ਚ ਮਨੁੱਖੀ ਗੁਣ ਪੈਦਾ ਕਰਨ ਦੇ ਉਦੇਸ਼ ਨਾਲ ਸਿੱਖਿਆ ਵਿਭਾਗ ਪੰਜਾਬ ਵੱਲੋਂ ਪ੍ਰੀ-ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਤੋਂ 12ਵੀਂ ਜਮਾਤ ਤਕ ਲਈ ਸ਼ੁਰੂ ਕੀਤੇ ਗਏ ਇਕ ਨਵੇਂ ਵਿਸ਼ੇ 'ਸਵਾਗਤ ਜ਼ਿੰਦਗੀ' ਨੇ ਸਿੱਖਿਆ 'ਚ ਮਹੱਤਤਾ ਸਬੰਧੀ ਨਵੀਂ ਚਰਚਾ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਹੈ। ਇਸ ਨੂੰ ਸਿੱਖਿਆ ਦੇ ਅਸਲ ਉਦੇਸ਼ ਦੀ ਪੂਰਤੀ ਵੱਲ ਇਕ ਕਦਮ ਦੱਸਿਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਸਿੱਖਿਆ ਮਨੁੱਖ ਦਾ ਵਿਹਾਰ ਬਦਲਣ ਵਾਲਾ ਵਿਗਿਆਨ ਹੈ। ਅਸੀਂ ਸੰਪੂਰਨ ਜੀਵਨ ਦੇ ਵਿਕਾਸ ਦੀ ਪ੍ਰਕਿਰਿਆ 'ਚ ਜੋ ਵੀ ਰਸਮੀ ਜਾਂ ਗ਼ੈਰ-ਰਸਮੀ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਸਿੱਧੇ ਜਾਂ ਅਸਿੱਧੇ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਸਿੱਖਦੇ ਹਾਂ ਜਾਂ ਅਨੁਭਵ ਕਰਦੇ ਹਾਂ, ਉਸ ਨੂੰ ਸਿੱਖਿਆ ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਨਾਲ ਸਾਡੇ ਗਿਆਨ 'ਚ ਵਾਧਾ ਤੇ ਸੋਚ ਵਿਚ ਤਬਦੀਲੀ ਆਉਣ ਦੇ ਨਾਲ-ਨਾਲ ਸਾਡੇ ਵਿਹਾਰ 'ਚ ਵੀ ਤਬਦੀਲੀ ਆਉਂਦੀ ਹੈ। ਇਹ ਤਬਦੀਲੀ ਹੀ ਸਾਡੀ ਸ਼ਖ਼ਸੀਅਤ ਦੇ ਨਿਰਮਾਣ ਦਾ ਆਧਾਰ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਮੌਜੂਦਾ ਸਮੇਂ 'ਚ ਮਨੁੱਖੀ ਗੁਣਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਸਭ ਤੋਂ ਵੱਡਾ ਗੁਣ ਅਨੁਸ਼ਾਸਨ ਹੈ। ਹਰ ਘਰ ਤੇ ਸੰਸਥਾ ਨੂੰ ਅੱਜ ਅਨੁਸ਼ਾਸਨ ਕਾਇਮ ਰੱਖਣ 'ਚ ਭਾਰੀ ਮੁਸ਼ਕਲਾਂ ਦਾ ਸਾਹਮਣਾ ਕਰਨਾ ਪੈ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਡੰਡੇ ਦੇ ਜ਼ੋਰ ਜਾਂ ਦਬਾਅ ਨਾਲ ਬਣਾਇਆ ਅਨੁਸ਼ਾਸਨ ਬਹੁਤੀ ਦੇਰ ਤਕ ਨਹੀਂ ਰਹਿੰਦਾ ਪਰ ਸਵੈ-ਇੱਛੁਤ ਤੌਰ 'ਤੇ ਬਣਿਆ ਅਨੁਸ਼ਾਸਨ ਸਦਾ ਲਈ ਚੰਗੇ ਨਤੀਜੇ ਦਿੰਦਾ ਹੈ। ਸਵੈ-ਇੱਛੁਤ ਅਨੁਸ਼ਾਸਨ ਚੰਗੇ ਵਿਚਾਰਾਂ ਨਾਲ ਹੀ ਸੰਭਵ ਹੈ, ਜੋ ਗੁਣਾਤਮਕ ਸਿੱਖਿਆ ਰਾਹੀਂ ਹੀ ਪ੍ਰਾਪਤ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਅਧਿਆਪਕ ਨੂੰ ਪਹਿਲ ਕਰਨੀ ਪਵੇਗੀ ਕਿਉਂਕਿ ਉਹ ਬੱਚੇ ਲਈ ਆਦਰਸ਼ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਸਾਡੇ ਸਮਾਜ 'ਚ ਚਰਿੱਤਰ ਨੂੰ ਸਭ ਤੋਂ ਉੱਚਾ ਸਮਝਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਇਕ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਦੇ ਚਰਿੱਤਰ ਨਿਰਮਾਣ 'ਚ ਸਕੂਲ ਮਹੱਤਵਪੂਰਨ ਭੂਮਿਕਾ ਨਿਭਾ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਚਰਿੱਤਰ ਨਿਰਮਾਣ ਲਈ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ ਕਿ ਬਚਪਨ ਤੋਂ ਹੀ ਨੈਤਿਕ ਸਿੱਖਿਆ ਮਿਲੇ।

~ਨਵਜੋਤ ਕੌਰ (2)
ਜਮਾਤ - 10 ਵੀਂ 'ਬ'
ਰੋਲ ਨੰਬਰ - 34

ਟੀਮ

ਉੜੀਸਾ ਦੇ ਇੱਕ ਪਿੰਡ ਦੇ ਕੱਚੇ ਰਾਹ ਤੇ ਇੱਕ ਅਮੀਰ ਬੰਦੇ ਦੀ ਮਰਸਰੀ ਚਿੱਕੜ ਨਾਲ ਭਰੇ ਟੋਏ ਵਿੱਚ ਫਸ ਗ਼ਈ..! ਮਦਦ ਦੇ ਰੂਪ ਵ੍ਹਿੱਚ ਇੱਕ ਕਿਰਸਾਨ ਆਪਣੇ ਜੁਆਨ ਜਹਾਨ ਬੋਲਦ ਨਾਲ ਬੀਂਡੀ ਪਾਕੇ ਉਸਨੂੰ ਕੱਢਣ ਦੀ ਅਸਫਲ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਵਾਰ ਵਾਰ ਕਰ ਰਿਹਾ ਸੀ..! ਬੋਲਦਾਂ ਦੀ ਜੋੜੀ ਵ੍ਹਿਚੋਂ ਇੱਕ ਟਾਈਮ ਤੇ ਇੱਕ ਬੋਲਦ ਹੀ ਜੋੜਿਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਸੀ..! ਪਰ ਸਭ ਵਿਅਰਥ ..! ਏਨੇ ਨੂੰ ਇੱਕ ਹੋਰ ਕਿਰਸਾਨ ਆਪਣੇ ਬੁੱਢੇ ਬੋਲਦ ਨਾਲ ਉੱਥੇ ਗੁਜ਼ਰਿਆ..! ਜਦ ਉਸਨੇ ਆਪਣੇ ਬੁੱਢੇ ਬੋਲਦ ਨਾਲ ਮਦਦ ਦੀ ਪੇਸ਼ਕਸ਼ ਕੀਤੀ ਤਾਂ ਖਿਝੇ ਤੇ ਥੱਕੇ ਦੂਜੇ ਕਿਰਸਾਨ ਅਤੇ ਅਮੀਰ ਬੰਦੇ ਦਾ ਹਾਸਾ ਫੁੱਟ ਪਿਆ.! ਉਹਨਾਂ ਨੂੰ ਹੱਸਦੇ ਵੇਖ ਕਿਰਸਾਨ ਮਿੰਨਾ ਜਿਹਾ ਮੁਸਕਾਇਆ ਤੇ ਦੂਸਰੇ ਬੋਲਦ ਨੂੰ ਬੀਂਡੀ ਤੋਂ ਜੁਦਾ ਕਰ ਮਰੀਅੱਲ ਦ੍ਰਿਸ ਰਹੇ ਗੋਵਰਧਨ ਨਾਮ ਦੇ ਬੋਲਦ ਤੇ ਬੀਂਡੀ ਪਾ ਉੱਚੀ ਉੱਚੀ ਬੋਲਣ ਲੱਗਿਆ.....ਖਿੱਚ ਨਾਰੰਗ..ਖਿੱਚ ਗੋਰਖੇ ..ਖਿੱਚ ਗੋਵਰਧਨ..! ਕੁਝ ਮਿੰਟਾਂ ਦੀ ਤਾਣ ਤੇ ਜੱਦੋ ਜਹਿਦ ਬਾਅਦ ਗੱਡੀ ਟੋਏ ਚੋਂ ਬਾਹਰ ਸੀ..! ਖੁਸ਼ੀ , ਹੈਰਾਨੀ ਤੇ ਧੰਨਵਾਦ ਭਰੇ ਲਹਿਜ਼ੇ ਨਾਲ ਅਮੀਰ ਆਦਮੀ ਬੋਲਿਆ ਕਿ ..ਤੁਹਾਡਾ ਬਹੁਤ ਬਹੁਤ ਸ਼ੁਕਰਾਨਾ ਮਦਦ ਲਈ.. ਪਰ ਇੱਕ ਗੱਲ ਮੈਨੂੰ ਸਮਝ ਨਹੀਂ ਆਈ ..! ਗੋਵਰਧਨ ਕੱਲਾ ਖਿੱਚ ਰਿਹਾ ਸੀ ਤੇ ਤੁਸੀਂ ਨਾਲ ਦੇ ਹੋਰ ਨਾਮ ਕਿਓਂ ਲੈ ਰਹੇ ਸੀ..!

ਕਿਰਸਾਨ ਦਾ ਉੱਤਰ ਉਹਨਾਂ ਦੋਵਾਂ ਨੂੰ ਨਿਰਉੱਤਰ ਕਰ ਲਈ ਕਾਫੀ ਸੀ..." ਨਾਰੰਗ ਤੇ ਗੋਰਖਾ ਸਮੇਂ ਸੂਮੇਂ ਤੇ ਗੋਵਰਧਨ ਦੇ ਜੋੜੀਦਾਰ ਰਹੇ ਤੇ ਜਹਾਨੋਂ ਰੁਖ਼ਸਤ ਹੋ ਗਏ.. ਇਹ ਵੀ ਉਹਨਾਂ ਦੇ ਵਿਛੋੜੇ ਚ ਅੰਨਾ ਹੋ ਗ੍ਰਿਆ.. ਅੱਜ ਜਦ ਮੈਂ ਦੋਵਾਂ ਦਾ ਨਾਮ ਲਿਆ ਤਾਂ ਇਸਨੂੰ ਲੱਗਿਆ ਕਿ ਉਹ ਵੀ ਮੇਰੇ ਨਾਲ ਹੀ ਨੇਂ ਤੇ ਮੈਂ ਬੁੱਢਾ ਮਰੀਅਲ ਤੇ ਅੰਨ੍ਹਾ ..ਬੈਲ੍ਹ ..ਗੋਵਰਧਨ ਵੀ ਇੱਕ ਟੀਮ ਦਾ ਹਿੱਸਾ ਹਾਂ...!

ਸਫਲਤਾ ਲਈ ਰਾਹ

ਹਰ ਮਨੁੱਖ ਦੇ ਜੀਵਨ ਦੇ ਕੁਝ ਉਦੇਸ਼ਾ ਨੂੰ ਸਮਝਣਾ ਅਤੇ ਉਹਨਾਂ ਨੂੰ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਨ ਲਈ , ਦ੍ਰਿੜ ਆਤਮ - ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਅਤੇ ਸਖਤ ਮਿਹਨਤ ਵੱਲ ਪਹਿਲਾ ਕਦਮ ਹੈ।
ਸਾਨੂੰ ਅਸਫਲਤਾ ਤੋ ਡਰ ਕੇ ਪਿੱਛੇ ਨਹੀਂ ਹਟਣਾ ਚਾਹੀਦਾ । ਇਹ ਸੋਚਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਜੇ ਅੱਜ ਅਸਫਲਤਾ ਹੈ ਤਾਂ ਇੱਕ ਦਿਨ ਸਫਲਤਾ ਵੀ ਮਿਲੇਗੀ। ਹਰ ਸਫਲਤਾ ਲਈ ਅਭਿਆਸ ਦੀ ਅਤਿ ਜ਼ਰੂਰਤ ਹੈ। ਕੇਵਲ ਸਮੇਂ ਦੀ ਸਹੀ ਵਰਤੋਂ ਅਤੇ ਅਭਿਆਸ ਨਾਲ ਹੀ ਕੋਈ ਸਫਲਤਾ ਪ੍ਰਾਪਤ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਮਨੁੱਖ ਨੂੰ ਆਪਣਾ ਕੰਮ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਫਲ ਬਾਰੇ ਨਹੀਂ ਸੋਚਣਾ ਚਾਹੀਦਾ , ਆਪਣੇ ਕਰਮਾ ਅਨੁਸਾਰ ਵਿਅਕਤੀ ਨੂੰ ਸੱਚ ਦਾ ਫਲ ਪ੍ਰਾਪਤ ਹੁੰਦਾ ਹੈ।

ਜਿਹੜਾ ਵਿਅਕਤੀ ਅਭਿਆਸ ਨਹੀਂ ਕਰਦਾ ਉਹ ਜ਼ਿੰਦਗੀ ਵਿੱਚ ਕਦੇ ਵੀ ਅੱਗੇ ਨਹੀਂ ਵੱਧ ਸਕਦਾ। ਮਨੁੱਖੀ ਜੀਵਨ ਦੇ ਪਲ ਸੀਮਤ ਹੁੰਦੇ ਹਨ। ਜਿਹੜਾ ਵਿਅਕਤੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਪਲਾਂ ਦੀ ਸਹੀ ਵਰਤੋਂ ਨਹੀਂ ਕਰਦਾ ਉਸਨੂੰ ਸਫਲਤਾ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦੀ। ਅਭਿਆਸ ਅਤੇ ਆਤਮ-ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਸਾਡੀ ਸਫਲਤਾ ਵੱਲ ਲੈ ਜਾਂਦੇ ਹਨ। ਜਦ ਵੀ ਅਸੀਂ ਜ਼ਿੰਦਗੀ ਤੋ ਨਿਰਾਸ਼ ਹੋ ਜਾਂਦੇ ਹਾਂ, ਸਾਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਲੋਕਾਂ ਵਲ ਵੇਖਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਜੋ ਬਹੁਤ ਸਾਰੀਆਂ ਮੁਸ਼ਕਲਾਂ ਦਾ ਸਾਹਮਣਾ ਕਰਨ ਦੇ ਬਾਵਜੂਦ ਹਸੱਦੇ ਹੋਏ ਅੱਗੇ ਵਧਦੇ ਹਨ।ਅਸੀਂ ਅੰਦਾਜਾ ਨਹੀਂ ਲੱਗਾ ਸਕਦੇ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਹਾਸੇ-ਚਿਹਰੇ ਦੇ ਪਿੱਛੇ ਕਿੰਨੇ ਦੁੱਖ ਛੁਪੇ ਹੋਏ ਹਨ,ਪਰ ਦੁੱਖਾਂ ਦੇ ਬਾਵਜੂਦ ਵੀ ਲੋਕ ਆਤਮ-ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਅਤੇ ਅਭਿਆਸ ਨੂੰ ਨਹੀਂ ਰੋਕਦੇ ਅਤੇ ਸਫਲਤਾ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਦੇ ਹਨ।

ਪਰਨੀਤ ਕੌਰ
8th B

Sanskrit Section

तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

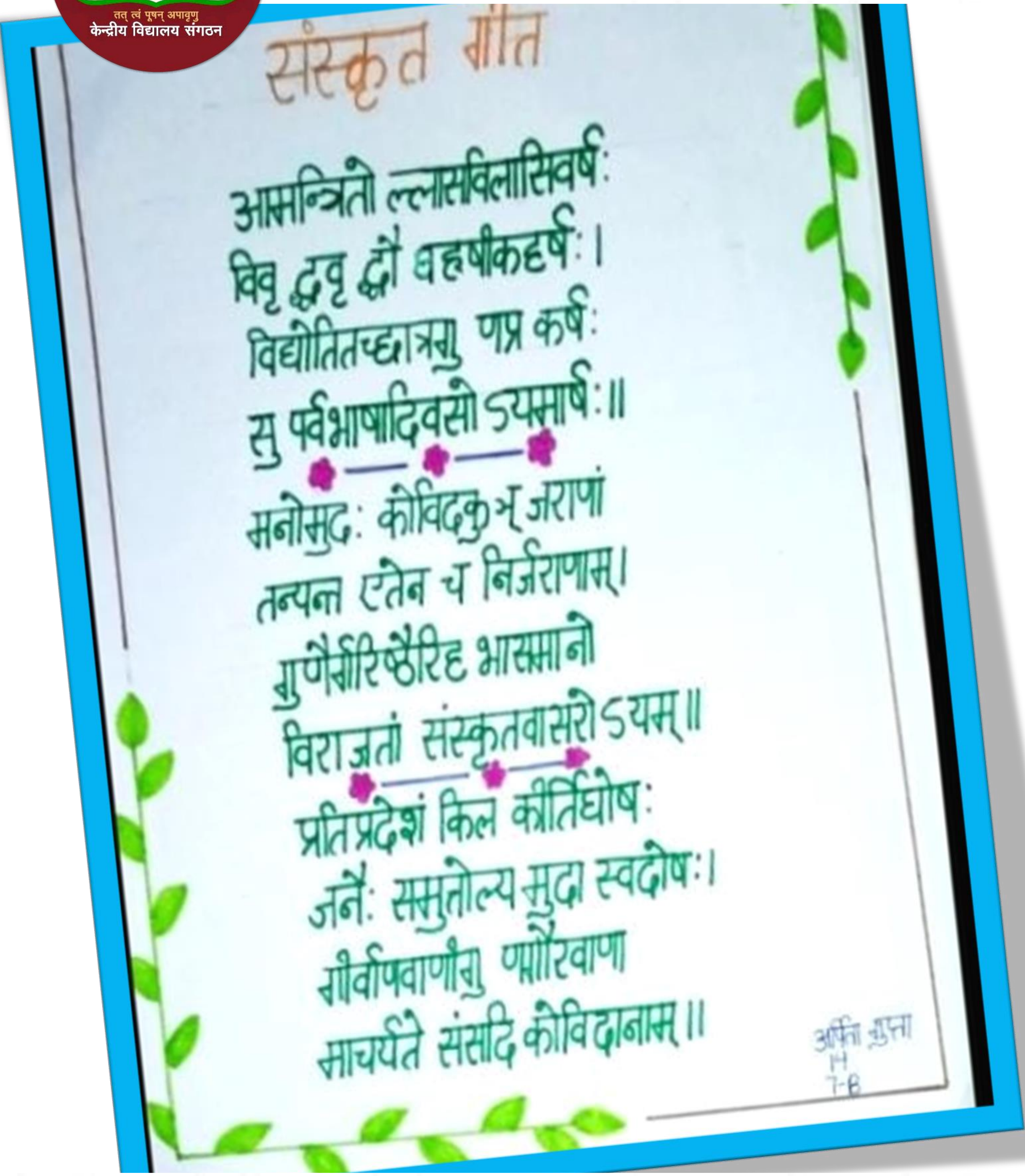

संस्कृत गीत

आमन्त्रितो ल्लासविलासिवर्षः
विवृद्धवृद्धौ ग्रहषीकहर्षः।
विद्योतितच्छात्रसु णप्र कर्षः
सु पर्वभाषादिवसोऽयमार्षः॥

मनोमुदः कोविदकुञ्जराणां
तन्यन्त एतेन च निर्जराणाम्।
गुणैर्गरिष्ठैरिह भासमानो
विराजतां संस्कृतवासरोऽयम्॥

प्रतिप्रदेशं किल कीर्तिघोषः
जनैः समुतोल्य मुदा स्वदोषः।
गीर्वाणवाणीषु णमौरवाणा
साचर्यते संसदि कोविदानाम्॥

अर्पिता गुप्ता
14
7-B

तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

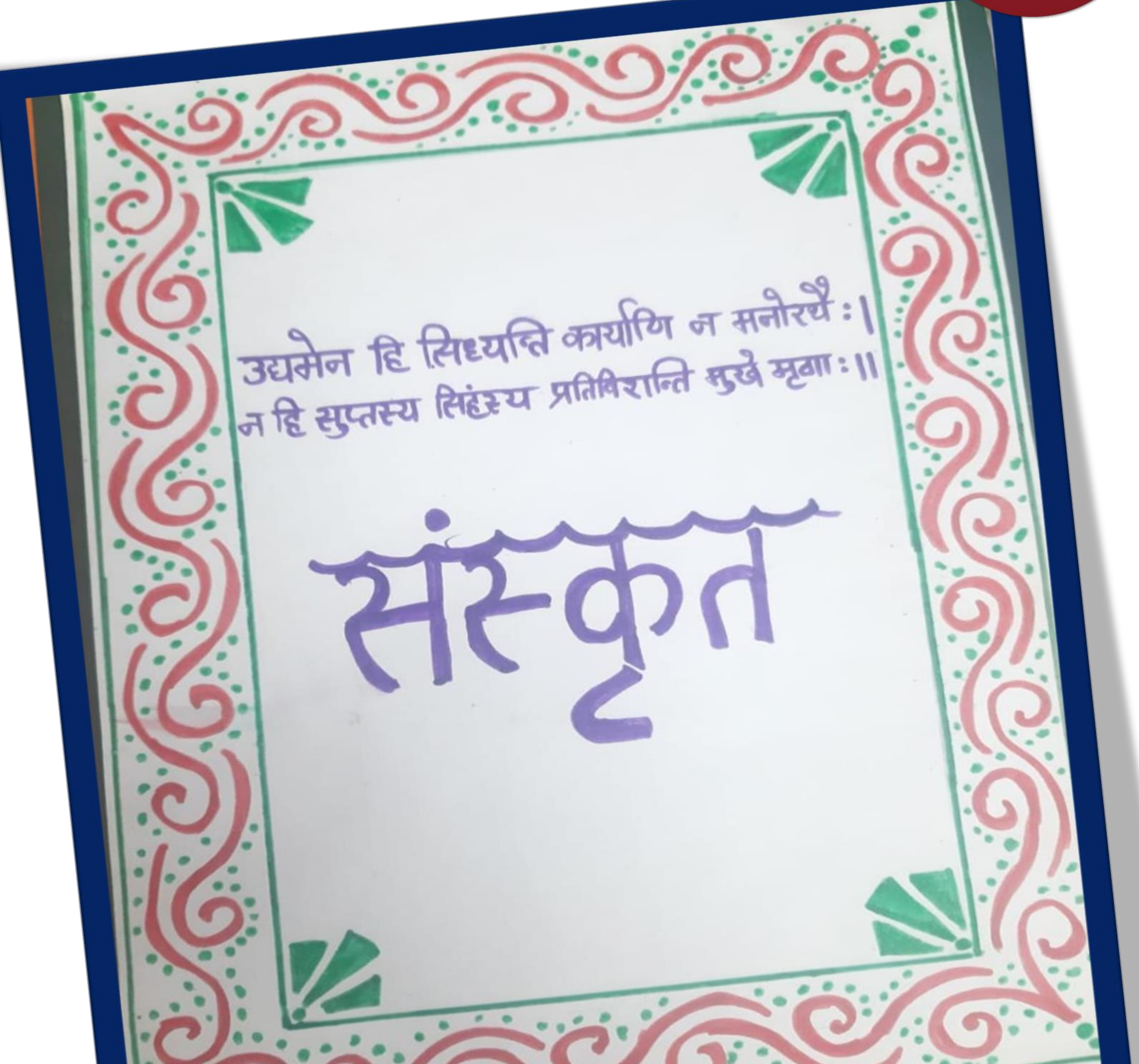

तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

नाम- पाहुलप्रातासिख
रौल नंबर- 19
कक्षा- छठी 'बी'

[- स्वतंत्रता दिवस -]

अस्मिन् दिवसे एकोनषष्टि वर्षा: पूर्व भारत:

ब्रिटिशसाम्राज्यात् स्वतन्त्रम् अभवत्। ह्य:
राष्ट्रपति: राष्ट्रं सम्बोधितवान्। स: भारते
प्रगतीविषये अनेकानि उदाहरणानि दत्तवान्।
तानि दृष्ट्वा स: भारतस्य प्रगतौ आकाङ्क्षित:
अस्ति। स: भारतस्य प्रगतौ आकाङ्क्षित:
अस्ति। स: भारतस्य विधायकेभ्य: किञ्चित्
प्रस्तावना: दत्तवान्। स:
अत्यन्तं सुन्दरं
व्याख्यान व्याख्यानं
अददात्। तेन
सह किञ्चित् छात्रा:
भारतस्य
विकासाय नव प्रतिज्ञा:
गृहितवन्त:। राष्ट्रपति:
आङ्ग्लभाषायाम् अवदत्
प्रतिज्ञां : अपि

आङ्ग्लभाषायाम् आसन्। यदि स: तमिलभाषायाम् अवदिष्यत्
छात्रा: अपि स्वभाषयां प्रतिज्ञां अग्रहिष्यन्
तर्हि अतीव सुन्दर: अभविष्यत्। वयं स्वतन्त्रा: किन्तु
पूर्णस्वतन्त्रा: न स्म:।

जय हिन्द

मेरा भारत महान

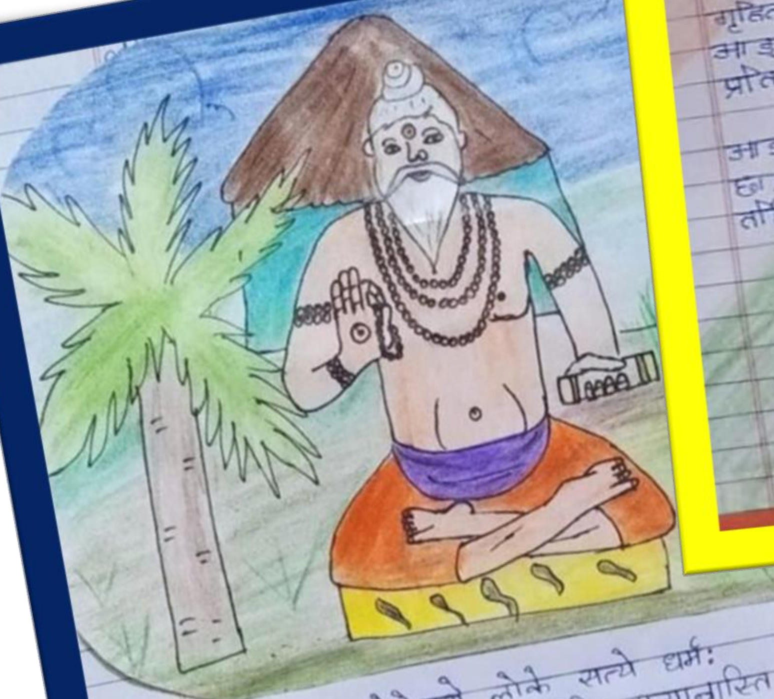

1. सत्य - सत्यमेवेश्वरो लोके सत्ये धर्म: सदाश्रित: । सत्यमूलनि सर्वाणि सत्यान्नास्ति परं पदम् ॥

भावार्थ:- सत्य ही संसार में ईश्वर है; धर्म भी सत्य के ही आश्रित है; सत्य ही समस्त भव - विभव का मूल है; सत्य से बढ़कर और कुछ नहीं है ।

2. न चोरहार्यं न च राजहार्यंन भ्रातृभाज्यं न च भारकारी । व्यये कृते वर्धते एव नित्यं विद्याधनं सर्वधन प्रधानम् ॥

भावार्थ :- विद्यारूपी धन को कोई चुरा नहीं सकता, राज ले नहीं सकता, भाईयों में उसका भाग नहीं होता, उसका भार नहीं लगता, खर्च करने से बढ़ता है । सचमुच, विद्यारूप धन सर्वश्रेष्ठ है ।

नाम = करिश्मा कुमा
कक्षा = सातवीं, ब

सर्वेभ्यः शिक्षिकाभ्यः शिक्षकेभ्यः च समर्पितम्

किम् अस्ति तत् पदम्
यः लभते इह सम्मानम्
किम् अस्ति तत् पदम्
यः करोति देशानाम् निर्माणम्
किम् अस्ति तत् पदम्
यम् कुर्वन्ति सर्वे प्रणामम्
किम् अस्ति तत् पदम्
यस्य छात्राः प्राप्तम् ज्ञानम्
किम् अस्ति तत् पदम्
यः रचयति चरित्र जनानाम्
'गुरु' अस्ति अस्य पदस्य नाम
सर्वेषाम् गुरूणाम् मम शतं शत प्रणामाः ।

NAME- SNEHA MISHRA
CLASS- 7th A

मम मातृभूमिः

"जननी जन्म भूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी।" मातृभूमि जन्मतः आरभ्य मृत्युपर्यन्तम् अस्माकं रक्षणं पोषण च करोति। 'माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः' इति वेदवाक्यम् अस्ति। मातृभूमि सर्वैः नरैः वन्दनीया भवति। येन-केन-प्रकारेण मातृभूमेः रक्षणं करणीयम्।

Anumeet Kaur
Class :- 8th-B

श्लोक !!

⇛ या कुन्देन्दुतुषारहारधवला या शुभ्रवस्त्रावृता या वीणावरदण्डमण्डितकरा या श्वेतपद्मासना। या ब्रह्माच्युतशंकरप्रभृतिभिर्देवैः सदा पूजिता सा मां पातु सरस्वती भगवती निःशेषजाड्यापहा ॥

⇛ जो कुन्द के फूल, चन्द्रमा, बर्फ और हार के समान श्वेत हैं, जो शुभ्र वस्त्र धारण करती हैं, जिनके हाथ उत्तम वीणा से सुशोभित हैं, जो श्वेत कमलासन पर बैठती हैं, ब्रह्मा, विष्णु, महेश आदि देव जिनकी सदा स्तुति करते हैं और जो सब प्रकार की जड़ता हर लेती है, वे भगवती सरस्वती मेरा पालन करें।

संस्कृतदिवस:

आमन्त्रितोल्लासविलासिवर्षः
विवृद्धवृद्धौघहषीकहर्षः।
विद्योतितच्छात्रगुणप्रकर्षः
सुपर्वभाषादिवसोऽयमार्षः ॥

मनोमुदः कोविदकुञ्जराणां
तन्यन्त एतेन च निर्जराणाम्।
गुणैर्गरिष्ठैरिह भासमानो
विराजता संस्कृतवासरोऽयम् ॥

प्रतिप्रदेशं किल कीर्तिघोषः
जनैः समुत्तोल्य मुदा स्वदोषः।
गीर्वाणवाणीगुणगौरवाणां
माचर्यते संसदि कोविदानाम् ॥

8th B
…leen Kaur

तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

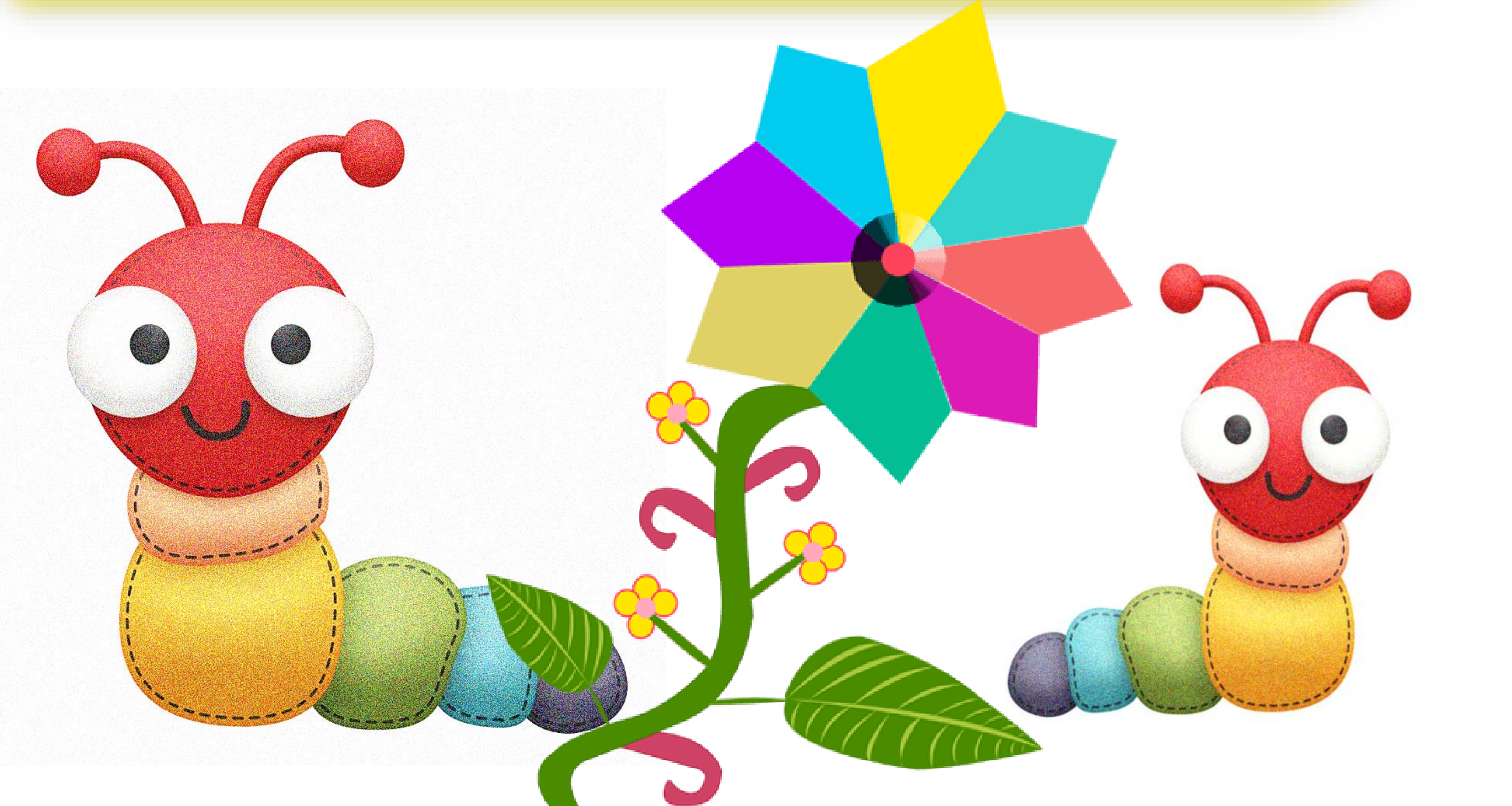

INDIA INDIA
DAS

Sports day
National Sports Day - 29-Aug
Sports day
A Great Salute to our Athletes

NATIONAL SPORTS DAY
ARPITA GUPTA
VII-B
K.V. BADDOWAL CANTT

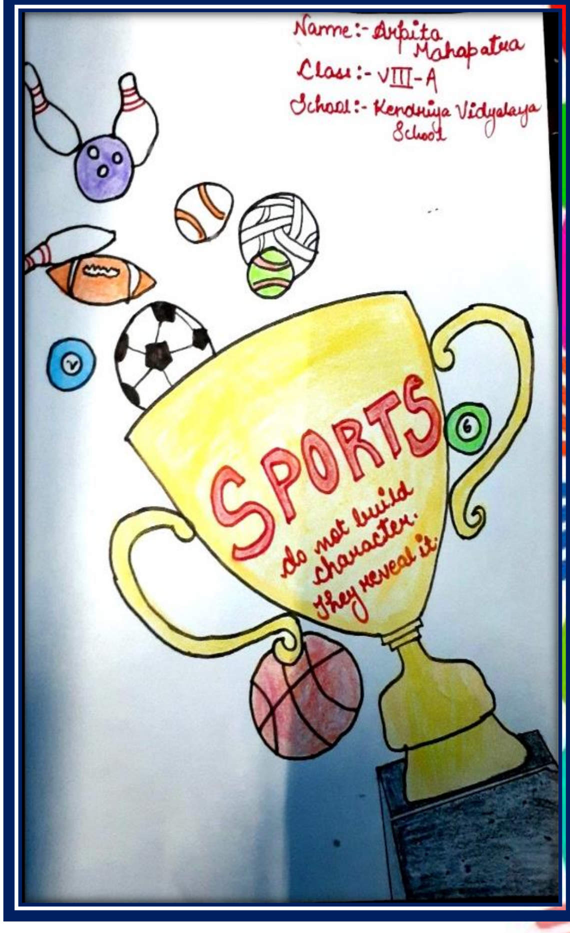
Name:- Arpita Mahapatra
Class:- VIII-A
School:- Kendriya Vidyalaya School
SPORTS do not build character. They reveal it.

Name->Banshika 3n VIII-A
64MP AI QUAD CAMERA
Shot on realme 6 Pro

TALENT WITHOUT Working Hard IS NOTHING. -CR7
RONALDO
MESSI
My ambition is always to get BETTER AND BETTER -LAMIO
Chanda Kumari
IX 'A'
K.V. Baddowal Cantt.

ASTHA SRIVASTAVA
X-A
10124

SPORTS DAY
National Sports Day
29 August
Gaganpreet Kaur
IX th -A
K.V. Baddowal

Sports Day
29 Aug
2020-21

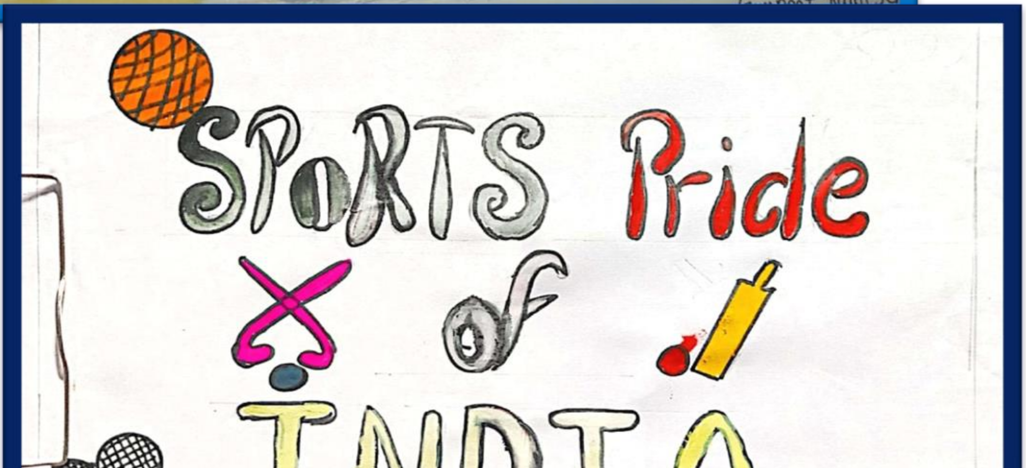

SPORTS Pride of INDIA
Name - Hitesh Kaushal
class - 10th A
Roll no. 27

MAJOR DHYAN CHAND SINGH...

MADE BY:-
GURNOOR SINGH
10th B
14

Name: Jashanveer kaur
Class-9th-B
Rollno: 15
MY DREAM
Badminton player
SPORTS PERSONALITY
Sometimes things may not go overway, but efforts are there that you make
WORLD CHAMPIONSHIP
1st
"Be on top"
2nd
3rd
1
2
3
Badminton champ [World]
"My goal"
"always on top"!
"want my game proud of me"
"I want to be on screens"
Go fit and fine
I've failed over and over and over again that is why I SUCCEED

REDMI NOTE 9 PRO
AI QUAD CAMERA
1st
INDIA
INDIA
10
Kamalpreet Kaur 9th A roll no-1 K.V. Baddo

Name Loveleen kaur
Class : XIth commerce
K.V.S SPORTS
Silver' gold' Bronze'
MEDALS!
RACE
An apple a day
keeps the doctor away
many will start fast, few will finish strong — RACE
I learned all about life with ball at my feet
LONG JUMP
'Love sports'
SHOT PUT
FOOTBALL
motive to be fit!
Tattvam pusara apawrnu
The most important thing in football is to score a goal.
PRADE WITH HOUSE FLAGS
Holding each other for win!
STAR
KABBADI

National Sports Day - 29-Aug
A Great Salute to our Athletes

Play like a Champion Today
August 29
National Sports Day in India

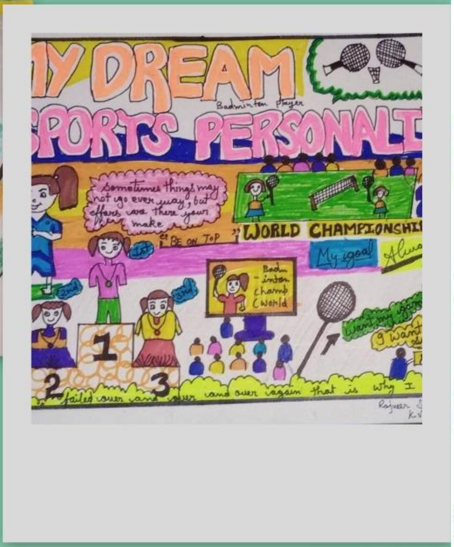
My goal

WHEEL CHAIR TO GROUND
INDIA
Soham VIII A
K.V Baddowal Cantt

LOVEPREET KAUR

SPORTS DAY
Sport Should have an element of Healthy Competition
—29 August 2020—
Name :-
Class :- X th A
House :- Ashoka

Roll no:- 9127
Name:- Shweta .G. Patil
Class:- IXth 'A'
School:- Ke.V. Baddowal can

KENDRIYA VIDYALAYA BADDOWAL CANTT.

EBSB E-MAGAZINE (2020-21)

EK BHARAT SHRESHTHA BHARAT
एक भारत श्रेष्ठ भारत

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

ART INTEGRATED PROJECT ON ANDHRA PRADESH

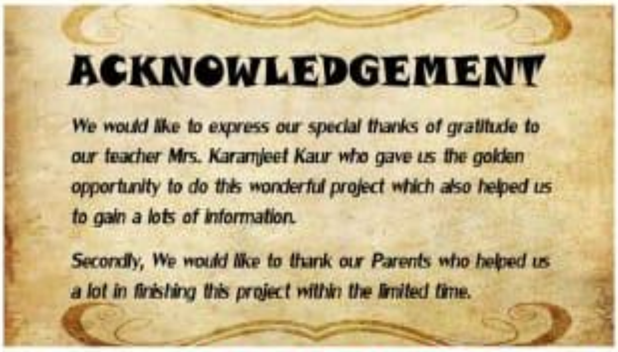

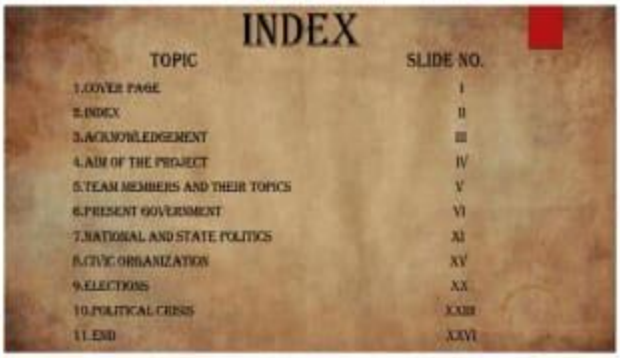

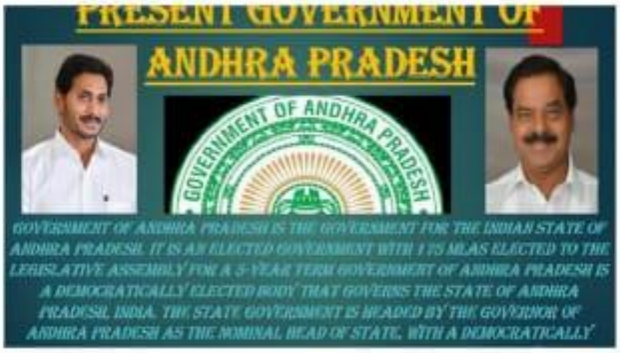

KENDRIYA VIDYALAYA BADDOWAL CANTT.

EBSB E-MAGAZINE (2020-21)

ART INTEGRATED PROJECT ON ANDHRA PRADESH

CIVIC ORGANIZATION OF ANDHRA PRADESH

As part of the experience of civil society in influencing public policy in Andhra Pradesh we consider the efforts of one civil society organization namely, Centre for World Solidarity. Centre for World Solidarity is founded in 1992 as a Public Trust and has its head quarters in Hyderabad. Centre for World Solidarity is modeled after the Berlin-based Action for World Solidarity and its vision and principles of action are prepared following the Action for World Solidarity.15 It is an intermediate level civil society organization that works in more than two States namely in Andhra Pradesh, Orissa, Jharkhand and in Bihar. The organization works on a range of issues from child rights, women's rights to rights of Dalits, and the forest based communities and of minorities. The organization also works on decentralization, Panchayati Raj Institutions and broader governance issues. Centre for World Solidarity works mostly through its network of grassroots NGOs and provides thematic, financial and advocacy support for the

ELECTION OF ANDHRA PRADESH

ELECTIONS IN ANDHRA PRADESH STATE, INDIA ARE CONDUCTED IN ACCORDANCE WITH THE CONSTITUTION OF INDIA. THE ASSEMBLY OF ANDHRA PRADESH CREATES LAWS REGARDING THE CONDUCT OF LOCAL BODY ELECTIONS UNILATERALLY WHILE ANY CHANGES BY THE STATE LEGISLATURE TO THE CONDUCT OF STATE LEVEL ELECTIONS NEED TO BE APPROVED BY THE PARLIAMENT OF INDIA. IN ADDITION, THE STATE LEGISLATURE MAY BE DISMISSED BY THE PARLIAMENT ACCORDING TO ARTICLE 356 OF THE INDIAN CONSTITUTION AND PRESIDENT'S RULE MAY BE IMPOSED.

OTHER NGOS AND THEIR MISSION

- Adarsa Welfare Organization - Rural Development & Poverty Alleviation
- Community Action For Rural Development - Youth Affairs
- Community and Rural Education Society (CARES) - Education
- Desire Society - Children
- India Youth For Society - Animal Husbandry
- Malamamoistrics - Education & Literacy
- Naandi Foundation - Agriculture

GIRL CHILD BETTERMENT

Aarti for Girls - started in 1992 (under the legal entity VIJAY FOUNDATION TRUST). It is an NGO based in Kadapa, Andhra Pradesh. Aarti Home runs an Orphanage Home for abandoned & destitute girl children.

All the Aarti activities are centered in a current building which was built in 1996. It now has over 120 kids and also serves as a livelihood training/outreach/volunteer/helpline center.

With 25 years of experience raising abandoned children, they realized that the best way to bring up such disturbed children would be to give them an environment that's less institutionalized and more family based.

The basic idea of Aarti Village is to provide a family based environment which gives the child security, love and stability.

RAJYA SABHA DELEGATION

BOTH HOUSES OF THE STATE LEGISLATURE JOINTLY NOMINATE MEMBERS TO THE RAJYA SABHA. WITH YSRCP HAS 6 RAJYASABHA SEATS FROM MAJORITY OF STATE SEATS

LOK SABHA DELEGATION

ANDHRA PRADESH IS REPRESENTED BY 25 MP'S IN LOK SABHA. IN THE 2019 INDIAN GENERAL ELECTION, OUT OF 25 SEATS, YUVAJANA SRAMIKA RYTHU CONGRESS PARTY WON A MAJORITY OF 22 SEATS, WHILE OTHERS MANAGE 3 SEATS WITH A VERY LEAST MAJORITY.

ELECTORAL PROCESS

The latest elections in Andhra Pradesh were conducted in two phases. All citizens of India above 18 years of age are eligible to enroll as voters in the electoral rolls. It is the responsibility of the eligible voters to enroll. Normally, voter registrations are allowed at latest one week prior to the last date for nomination of candidates.

organization of States has come under question and even under challenge. It has suffered a setback in several parts of the country, with factors other than language becoming a decisive force for separation into new units. In North India, some States have already been bifurcated or tri-furcated in response to popular demands, not always for just reasons, using criteria other than language. This did not happen in the South. But there has been one longstanding issue defying all attempts at resolution, the status of Andhra Pradesh's Telangana region comprising 10 districts. The revival of the agitation for a separate Telangana State, with Hyderabad as its capital, and the response by the central government have taken

ANDHRA PRADESH POLITICAL CRISIS

HALF A CENTURY AGO, ON DECEMBER 19, 1952, TO BE PRECISE, PRIME MINISTER JAWAHARLAL NEHRU ANNOUNCED THE FORMATION OF A NEW STATE OF ANDHRA. IT WAS SEPARATED FROM AN UNWIELDY AND COMPOSITE MADRAS STATE, WHICH THEN COMPRISED PEOPLE SPEAKING TAMIL, TELUGU, KANNADA AND MALAYALAM ALONG WITH A FEW OTHER LANGUAGES COMPRISING MOSTLY TELUGU SPEAKING PEOPLE. ANDHRA STATE CAME INTO BEING ON OCTOBER 1, 1953, WITH KURNOOL AS ITS CAPITAL. THIS IS A HISTORIC DATE SINCE THIS WAS THE FIRST-BORN AMONG INDIAN STATES IN THE ERA OF LINGUISTIC RE-ORGANIZATION.

KENDRIYA VIDYALAYA BADDOWAL CANTT.

EBSB E-MAGAZINE (2020-21)

एक भारत श्रेष्ठ भारत EK BHARAT SHRESHTHA BHARAT

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

ART INTEGRATED PROJECT ON ANDHRA PRADESH

KENDRIYA VIDYALAYA BADDOWAL CANTT.

EBSB E-MAGAZINE (2020-21)

Quiz on Andhra Pradesh Class:XB & IX-A

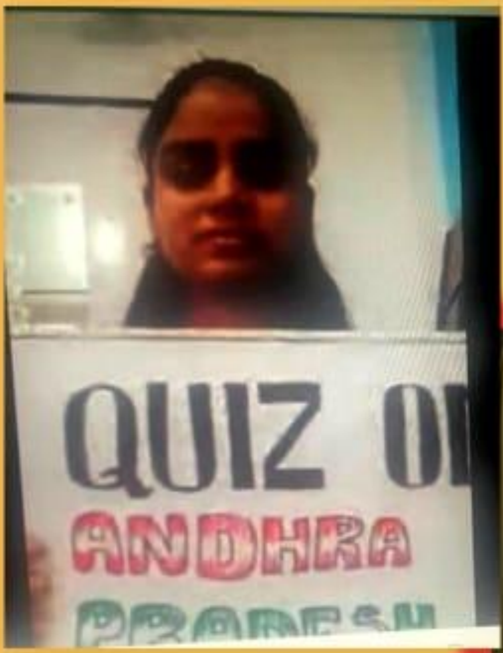

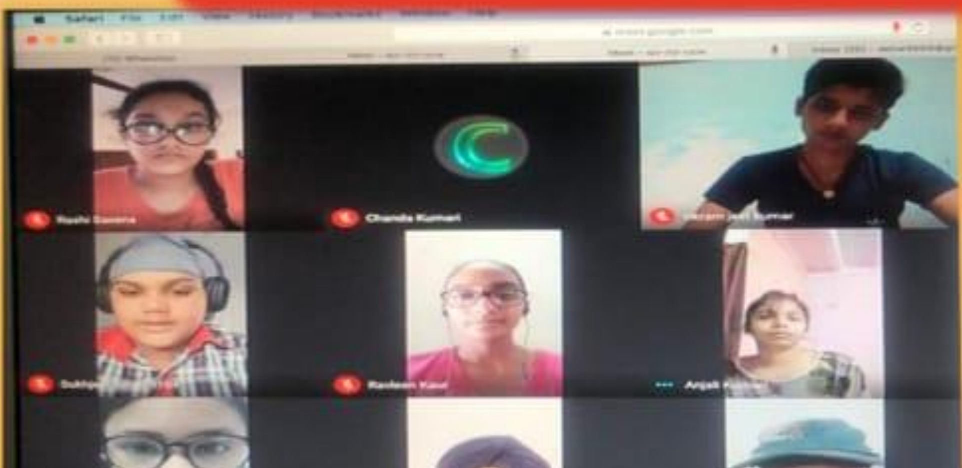

STORY MAP LIBRARY ACTIVITY

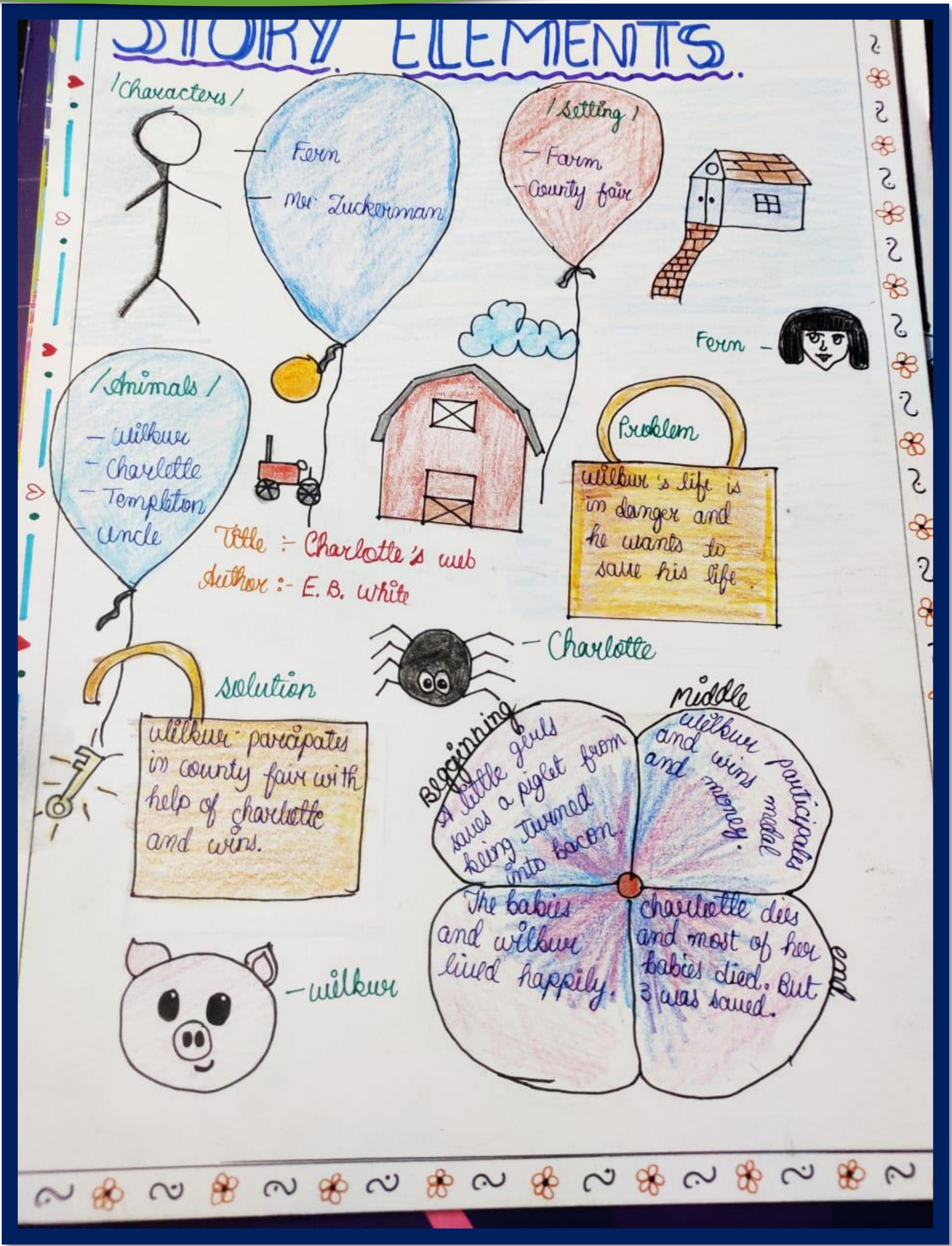

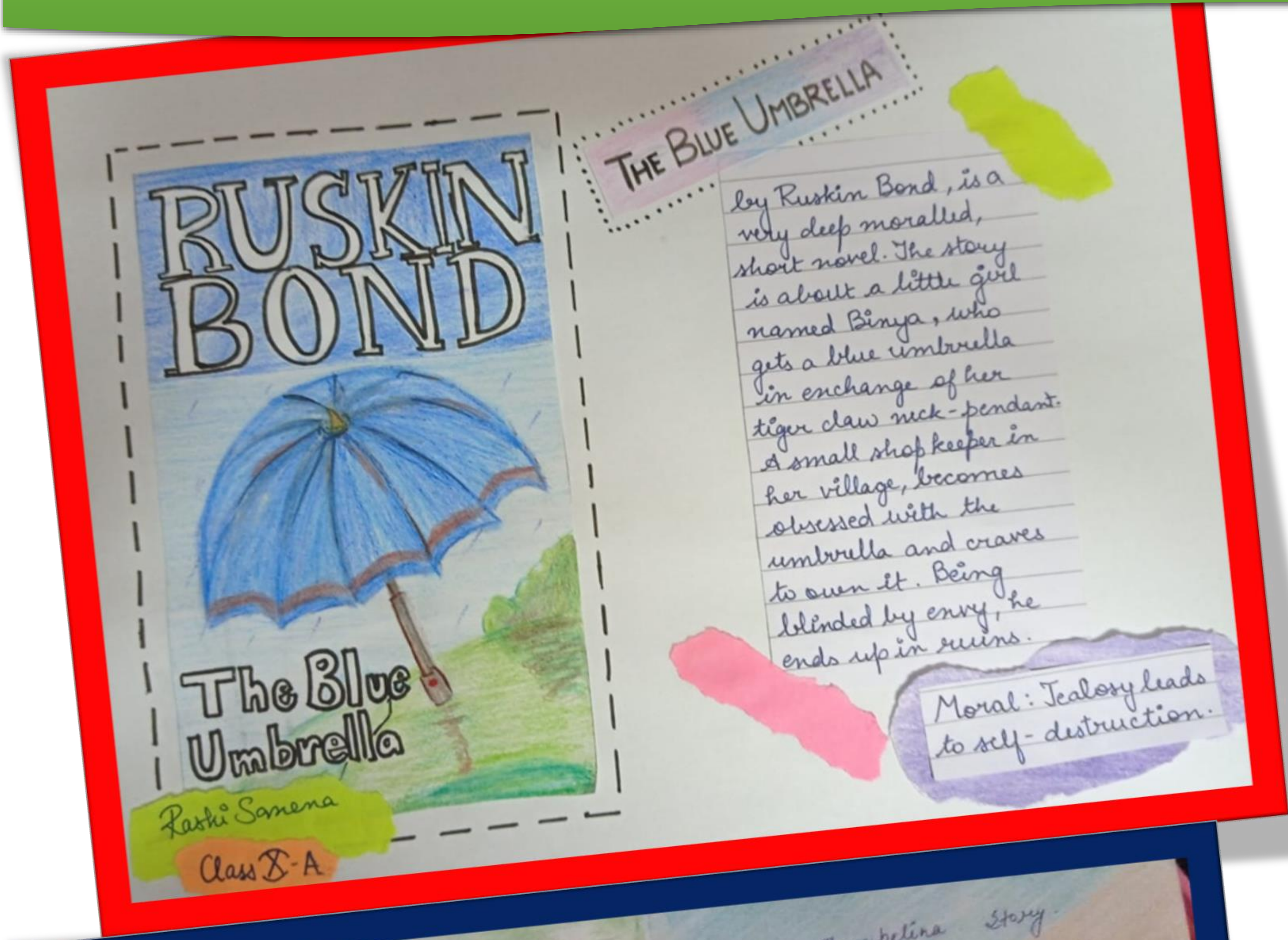
RUSKIN BOND
The Blue Umbrella
Rashi Saxena
Class X-A
THE BLUE UMBRELLA
by Ruskin Bond, is a very deep moralled, short novel. The story is about a little girl named Binya, who gets a blue umbrella in exchange of her tiger claw neck-pendant. A small shopkeeper in her village, becomes obsessed with the umbrella and craves to own it. Being blinded by envy, he ends up in ruins.
Moral: Jealosy leads to self-destruction.

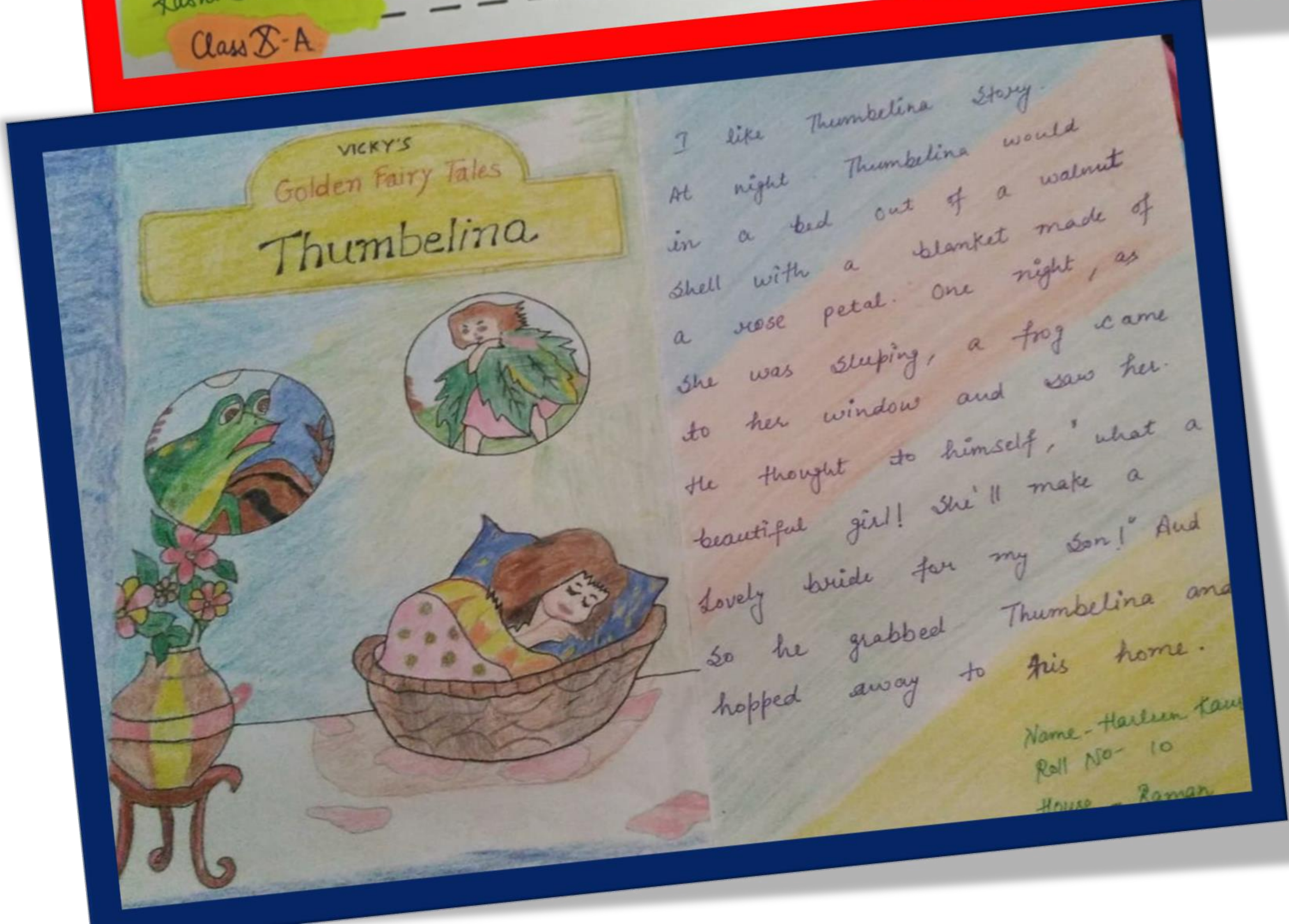
VICKY'S
Golden Fairy Tales
Thumbelina
I like Thumbelina Story.
At night Thumbelina would in a bed out of a walnut shell with a blanket made of a rose petal. One night, as she was sleeping, a frog came to her window and saw her. He thought to himself, "what a beautiful girl! she'll make a lovely bride for my son!" And so he grabbed Thumbelina and hopped away to his home.
Name - Harleen Kaur
Roll No- 10
House - Raman

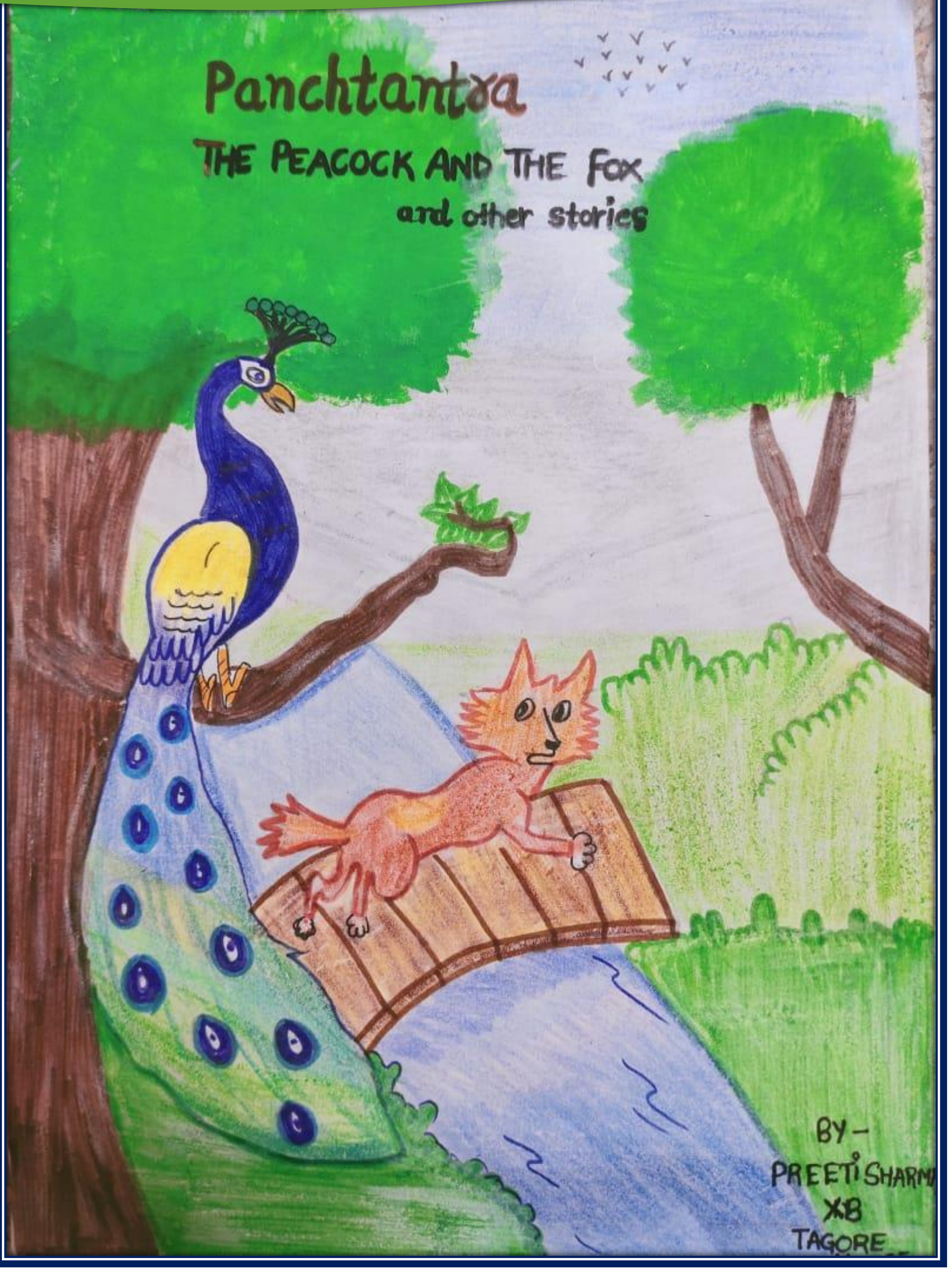
Panchtantra
THE PEACOCK AND THE FOX
and other stories
BY-
PREETI SHARM
XB
TAGORE

Cinderella
MANPREET SHARMA VIII th (A)
This Is My Favourite Story Book Because This Story Shows Kindness and charity both through Cinderella's kindness to the mice and the birds that others See as vermin to the charity of the fairy Godmother who gives to those who deserve it.

STAFF OF VIDYALAYA

Mr. Dinesh Kumar (I/C Principal)

Ms. Parkash Kaur (HM)

PGT

Mr.Gulshan Arora(Comp.Sci)

Ms. Priya Arora(Comm)

Ms. Amandeep Kaur(Eng)

Mr.Sandeep Kumar (Eco)

Mr.Jagveer Singh (Maths)

TGT

Ms.Amardeep Kaur (Maths)

Ms.Karamjeet Kaur (S.Sc)

Ms.Meena Sharma (Maths)

Ms.Sunita Rani (Hindi)

Ms.Simmi (Sci)

Mr.Kewal Singh Sangha (Phy.edu)

Mr.Atul Chudary (WE)

Mr.Vijay Kr Sharma (Eng)

Mr.Davinder Singh (Pbi)

Ms.Shrishti Malik(Sci)

Ms.Geeta(S.Sc)

Ms.Preeti (Sanskrit)

Ms.Anita(AE)

Ms.Rajni Sharma(Lib.)

Ms.Shalini (Eng)

PRT

Ms. Prem Lata

Ms. Sunita Yadav

Ms. Asha Lata

Ms. Suman

Ms. Rohini

Mr.Sanjeev Kumar(Music)

Ms. Rajni Sethi

Ms. Anjali

Ms. Leena Sharma

Mr.Balwan

OFFICE STAFF

Mr.Karnail Singh (UDC)

Mr.Satpal (lab.Att)

Mr.Balwinder Singh (Sub Staff)

Mr.Vishal (Sub Staff)

Mr.Jarnail Singh (Sub Staff)

Mr.Karnail Singh(Sub Staff)